दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस समाज में सवाल पूछने की आदत खत्म हो जाती है, वहाँ अन्याय व्यवस्था बन जाता है और खामोशी सबसे बड़ा अपराध।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-181 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 25 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

गांव की सरकार पर तालाः आखिर पंचायत चुनावों से क्यों डर रही सरकार?

लोकतंत्र की असली ताकत संसद और विधानसभा की ऊंची इमारतों में नहीं, बल्कि गांव की चौपालों में बसती है। भारत के संविधान निर्माताओं ने ग्राम पंचायतों को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों के रूप में परिकल्पित किया था। लेकिन राजस्थान में पंचायत चुनावों को लेकर जो स्थिति बनी हुई है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा 31 जुलाई से पहले पंचायत चुनाव करवाने के निर्देश देने के बावजूद सरकार की मंशा साफ नजर नहीं आ रही। राजनीतिक बयानबाजी, तकनीकी बहाने और 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' जैसी अवधारणाओं की आड़ में पंचायत चुनावों को टालना लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ खिलवाड़ प्रतीत होता है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है,।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ द्वारा यह बयान देना कि जिन पंचायतों का कार्यकाल अभी बाकी है, उनके साथ ही चुनाव करवाने पर विचार किया जा रहा है, सुनने में प्रशासनिक सुविधा का तर्क लग सकता है, लेकिन सवाल यह है कि जिन पंचायतों का कार्यकाल एक वर्ष पहले समाप्त हो चुका है, वहां जनता को निर्वाचित प्रतिनिधि से वंचित रखने का अधिकार सरकार को किसने दिया? पंचायत राज कानून स्पष्ट रूप से समय पर चुनाव करवाने की बात करता है। यदि समय पर विधानसभा और लोकसभा चुनाव हो सकते हैं, तो गांव की सरकार के चुनाव क्यों नहीं? आज राजस्थान के हजारों गांवों में प्रशासकों के भरोसे पंचायतें चल रही हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था की जगह नौकरशाही का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायतों में आमजन की आवाज दब चुकी है। ग्रामीण जब सड़क, पानी, सफाई, बिजली या नाली जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर पंचायत कार्यालय पहुंचते हैं, तो उन्हें जवाबदेही नहीं, बल्कि टालमटोल मिलती है। क्योंकि प्रशासक जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं होते, वे केवल आदेशों के प्रति उत्तरदायी होते हैं। यही कारण है कि गांवों में विकास कार्य ठप पड़े हैं और जनता निराशा में डूबी हुई है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों का हाल किसी से छिपा नहीं है। गांवों की गलियां गंदगी से अटी पड़ी हैं, नालियां जाम हैं, पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है, आवारा पशुओं की समस्या बढ़ती जा रही है और विकास योजनाएं फाइलों में दम तोड़ रही हैं। पंचायतों में जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति ने गांव की लोकतांत्रिक आत्मा को कमजोर कर दिया है। गांव की सरकार जब जनता के हाथ में नहीं रहती, तब विकास का पहिया भी रुक जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम में चुनाव आयोग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। एक समय था जब मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन ने देश को यह एहसास कराया था कि चुनाव आयोग केवल औपचारिक संस्था नहीं, बल्कि संविधान की एक शक्तिशाली प्रहरी है। उन्होंने राजनीतिक दबावों के आगे झुकने के बजाय चुनावी मर्यादाओं को स्थापित किया। लेकिन आज चुनाव आयोग की स्थिति ऐसी दिखाई देती है मानो वह सरकार के इशारों पर चलने वाली संस्था बनकर रह गया हो। यदि हाईकोर्ट को चुनाव करवाने के लिए फटकार लगानी पड़ रही है, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी का संकेत है। 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' का विचार प्रशासनिक दृष्टि से आकर्षक लग सकता है, लेकिन इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता। यदि किसी पंचायत का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, तो वहां चुनाव करवाना संवैधानिक बाध्यता है, न कि राजनीतिक सुविधा का विषय। लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता के विश्वास और भागीदारी का उत्सव होते हैं। जब चुनाव टलते हैं, तो जनता का भरोसा भी टूटता है। सरकार को यह समझना होगा कि पंचायतें केवल राजनीतिक इकाइयां नहीं हैं। यही पंचायतें गांवों में विकास योजनाओं का संचालन करती हैं, सामाजिक समरसता बनाए रखती हैं और लोकतंत्र की पहली पाठशाला बनती हैं। यदि गांव की सरकार कमजोर होगी, तो लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाएगा। पंचायत चुनावों को टालना केवल कानूनी उल्लंघन नहीं, बल्कि गांवों के विकास को अंधेरे में धकेलना है। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर तत्काल पंचायत चुनाव करवाए। लोकतंत्र में जनता से बड़ा कोई नहीं होता। गांव की जनता को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार समय पर मिलना ही चाहिए। यदि सरकार वास्तव में 'सुशासन' और 'विकास' की बात करती है, तो उसे गांव की सरकार को मजबूत करना होगा, न कि उसे प्रशासकों के भरोसे छोड़ना होगा।

राजस्थान की जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि आखिर सरकार पंचायत चुनावों से डर क्यों रही है? लोकतंत्र में देरी भी अन्याय के समान होती है। गांवों का भविष्य फाइलों और बहानों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। अब समय आ गया है कि गांव की चौपालों में फिर से लोकतंत्र की आवाज गूंजे और जनता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से विकास की नई इबारत लिखे।

नीट छात्र प्रदीप मेघवाल के परिजनों से मिले सचिन पायलट, न्याय दिलाने का दिलाया भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.गुढ़ागौड़जी।

राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट शनिवार को नीट छात्र प्रदीप मेघवाल के परिजनों से मिलने गुढ़ा पहुंचे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर मृतक प्रदीप की बहनों को नौकरी दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान पायलट ने प्रदीप को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे आदिवासी नेता सुरेश मीणा किशोरपुरा, पूर्व सरपंच शीशराम खटाणा, रविंद्र सिंह पोंख, संदीप सैनी, राजेश खटाणा सहित अन्य साथियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि वे परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहें। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने विधायक भगवाना राम सैनी पर परिवार को बीच मझधार में छोड़ने के आरोप लगाए। जानकारी के अनुसार अब तक पीड़ित परिवार के लिए करीब 14 लाख रुपए की आर्थिक सहायता जुटाई जा चुकी है। कार्यक्रम में सांसद विजेंद्र ओला, लाडनू विधायक मुकेश भाकर, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, पिलानी विधायक पीतमराम काला, मनीषा प्रधान खेतड़ी, जिला पार्षद हीरालाल पहलवान कालोटा, राजेश खटाणा, राजेंद्र कालोटा, राजेश जोया, सुभाष बुनकर, श्रवण गुढ़ा,

राजेंद्र गुर्जर मंडावरा, राजपाल ग्रेट, हारुण लालपुर, जेपी खटाना, दिनेश गुर्जर, धवल कुमार बिछवाल, जेपी महला, राजेश चावड़ा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत बगड़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य सरकार द्वारा संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत सोमवार को बगड़ स्थित फतेहसागर तालाब पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त प्रेम सिंह बाजोर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे तथा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। जिला कलेक्टर डॉ अरूण गर्ग ने बताया कि अभियान के तहत जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से होगी, जिसके बाद पीपल पूजन, सरोवर पूजन और श्रमदान कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 25 मई से 5 जून तक प्रदेशभर में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 चलाया जा रहा है, जिसके तहत जल स्रोतों के संरक्षण, जल बचत के प्रति जनजागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक भागीदारी निभाने की अपील की है। इसके साथ ही जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यादव समाज ने सामाजिक कुरीतियों पर लगाई लगाम, नियम तोड़ने पर 11 हजार जुर्माना और सामाजिक बहिष्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । ग्राम पंचायत घीलोठ के अंतर्गत घीलोठ व परतापुर चक नं 2 के यादव समाज ने रविवार को अहीर धर्मशाला में आयोजित बैठक में सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। बैठक में समाज के सैकड़ों गणमान्य लोगों की मौजूदगी में 6 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में तय किया गया कि अब किसी भी बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु पर शोक सभा और तेरहवीं पर मृत्यु भोज का आयोजन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। विवाह-शादी के अवसर पर बहन-बेटियों का ससुराल से पीहर में बड़ी संख्या में गीत गवाने व बिस्कुट बांटने के लिए आना भी बंद कर दिया गया है। इसके अलावा विवाह, शादी व कुआं पूजन जैसे आयोजनों में रात्रि 11 बजे के बाद डीजे साउंड बजाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। समाज ने फिजूलखर्ची रोकने के लिए यह भी निर्णय लिया कि किसी भी कार्यक्रम में किन्नर

समाज को 2100 रुपये से अधिक की नेग नहीं दी जाएगी। साथ ही आयोजनों में खुले रूप से शराब परोसने व बार लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। गांव में रिश्तेदारों से टीका लेने के बाद ग्रामीणों को मान- सम्मान के नाम पर अतिरिक्त पैसे दिलवाने की प्रथा भी समाप्त कर दी गई है। बैठक में बुजुर्ग कप्तान शेरसिंह यादव की अध्यक्षता में निगरानी कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में सरपंच परमानंद, मौजीराम यादव, सुरेश यादव, वीरेंद्र हवलदार, श्रीराम बोहरा, पूर्व सरपंच सत्यवीर, कैलाश चंद, भूपेंद्र सिंह, रामेहर, गजराज, विजय, वीरसिंह, सुरेश सौदागर, वेदप्रकाश, नीरसिंह, ओमप्रकाश डीलर, सत्यवीर, राजवीर, रामनिवास ठेकेदार, हरवीर डीलर, दीवानसिंह, हवासिंह, ओमवीर, बीरेंद्र दूधिया, सुनील, रिंकू काठुवासिया, नीरज, कर्णसिंह को शामिल किया गया है। निर्णय लिया गया कि नियमों का उल्लंघन करने पर कमेटी 11 हजार रुपये का आर्थिक दंड वसूलेगी और दंड राशि नजदीकी गौशाला में जमा कराई जाएगी। नियम न मानने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। बैठक में शीशराम, सतीश, वीरेंद्र, अशोक, दिनेश, मुकेश, महेश, बबरू, अजीत, धर्मवीर, योगेश, सुरेंद्र, रामोतार तथा युवा टीम के हीरालाल, रविंद्र, अश्विनी, जीतू, भूपसिंह, सचिन सहित सैकड़ों समाजबंधु मौजूद रहे। समाज के इस कदम की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

अमेरिकी विदेश मंत्री आज जयपुर आएंगे

आमेर-महल 4 घंटे बंद रहेगाःहाथी गांव भी जा सकते हैं, शहर में 24 जगह ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी

जयपुर । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो सोमवार को जयपुर आएंगे। वे आमेर महल और सिटी पैलेस जाएंगे। इसके चलते आमेर महल को सोमवार दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक पर्यटकों के लिए बंद रखा जाएगा। मार्को रूबियो हाथी गांव भी जा सकते हैं। आमेर महल के जलेब चौक में उनका पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया जाएगा। लोक कलाकार राजस्थानी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करेंगे। घूमर, कालबेलिया और कच्ची घोडी नृत्य करते नजर आएंगे। कठपुतली कलाकार भी कला को प्रदर्शित करेंगे। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी उनकी अगवानी करेंगी। बता दें कि मार्को रूबियो सोमवार दोपहर करीब 2 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे।

मुण्डावर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो देसी कट्टों के साथ युवक गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । मुण्डावर थाना पुलिस ने रविवार को अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को दो देसी कट्टों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मातोर निवासी लोकेश पुत्र सुरेश प्रजापत के रूप में हुई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तिनकीरूडी बस स्टैंड पर एक स्विफ्ट कार में युवक अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके

पर पहुंची और कार की घेराबंदी कर युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 12 बोर के दो देसी कट्टे बरामद हुए। थाना पुलिस ने आरोपी लोकेश को गिरफ्तार कर हथियार जब्त कर लिए हैं। पुलिस अब आरोपी से हथियारों की खरीद- फरोख्त से जुड़े नेटवर्क और अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

श्रीरामकथा ज्ञान यज्ञ आज से तोदी कुई दुर्गा स्थल पर,कलशयात्रा प्रातः 8 बजे शहर के मुख्य मार्गों से

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्री तोदी कुई दुर्गा पूजा महोत्सव स्थल पर 25 मई से 2 जून 2026 तक नौ दिवसीय श्री रामकथा ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज के पावन सानिध्य में पूज्या प्रेमा सखी के मुखारबिंद से श्री रामकथा की जाएगी। आयोजन समिति की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया कि सोमवार 25 मई को प्रातः 8 बजे 108 कलश के साथ कलश यात्रा तोदी कुई दुर्गा पूजा स्थल से आरंभ होगी। कलश यात्रा श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी

महाराज एवं कथावाचक पूज्या प्रेमा सखी के पावन सानिध्य में शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए स्थानीय बस स्टैंड से श्री बीदावत रघुनाथ जी के मंदिर से होते हुए श्री सिद्धि विनायक गणेश जी के मंदिर से घंटाघर, श्री रघुनाथ जी मंदिर से कथा स्थल तोदी कुई दुर्गा पूजा स्थल पहुँचेगी। कलश यात्रा यात्रा के दौरान महिलाये 108 सुंदर सजाये हुए कलशों के साथ, नगर के प्रबुद्धजनों, समिति के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ एवं श्रद्धालुओ व भक्त जनो की उपस्तिथि। रहेंगी। विज्ञप्ति में बताया कि कलश यात्रा के उपरांत नियमित रूप से श्री रामकथा का आयोजन दोपहर 2.15 से सायंकाल 6.00 बजे तक रहेगा।

'संडे ऑन साइकिल' अभियान से झुंझुनूं में फिटनेस का संदेश

फिट इंडिया अभियान को मिला जनसमर्थन, युवाओं को नशामुक्त और अनुशासित जीवन का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

योग और साइकिल रैली के जरिए पुलिस व आमजन ने अपनाई स्वस्थ जीवनशैली की पहल

भारतीय खेल प्राधिकरण एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के तहत झुंझुनूं पुलिस द्वारा रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के अंतर्गत योग एवं साइकिल रैली का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस कर्मियों एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नियमित व्यायाम को प्रोत्साहित करना तथा फिट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 6 बजे रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित योग सत्र से हुई। योगाभ्यास में पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह

सागर आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेंद्र सिंह राजावत आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्यूआईडीटी फूलचंद मीणा आरपीएस सहित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नियमित योग और व्यायाम के महत्व की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के लिए इसे आवश्यक बताया। योग सत्र के बाद सामुदायिक भवन रिजर्व पुलिस लाइन से शहीद स्मारक तक साइकिल रैली निकाली गई। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए लोगों को नियमित साइकिलिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को साइकिलिंग और व्यायाम के स्वास्थ्य लाभों के साथ-साथ नशामुक्त जीवनशैली एवं अनुशासित दिनचर्या के महत्व से भी अवगत कराया गया। आयोजन के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच सकारात्मक संवाद तथा बेहतर समन्वय को भी मजबूती मिली। झुंझुनूं पुलिस ने अभियान में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-

अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

पारा हुआ प्रचंड, 44 डिग्री के आसपास पहुंचा तापमान, गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड

नौतपा से पहले ही तपी धरती, लू के थपेड़ों से जनजीवन अस्त-व्यस्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । शेखावाटी अंचल के मंडावा सहित आसपास के क्षेत्रों में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। नौतपा शुरू होने से पहले ही तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया, जिससे आमजन का जनजीवन प्रभावित हो गया है। आसमान से बरसती आग और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवा के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दोपहर के समय मुख्य बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। लगातार बढ़ती गर्मी और तपती धरती के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। दोपहर के समय बाजारों में रौनक कम हो गई है और सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में चहल-पहल काफी घट गई है। लोग सिर ढककर घरों से बाहर निकल रहे हैं तथा धूप से बचाव के लिए छाया और ठंडे स्थानों का सहारा ले रहे हैं। लू के थपेड़ों ने बुजुर्गों, बच्चों और राहगीरों

की परेशानी और बढ़ा दी है। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। गन्ने का रस, बर्फ के गोले, शिकंजी और अन्य शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। जगह-जगह लगे प्याऊ राहगीरों के लिए राहत का केंद्र बने हुए हैं, जहां लोग ठंडा पानी पीकर और चेहरे पर पानी डालकर कुछ राहत महसूस कर रहे हैं। इस प्रचंड गर्मी में समाजसेवी और धर्मार्थ संस्थाएं भी आगे आकर सेवा कार्यों में जुटी हुई हैं। बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी और छाया की व्यवस्था की जा रही है। कई स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे और जल पात्र लगाए गए हैं, जिससे उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

गौशालाओं में विशेष इंतजाम, पंखे-कूलर से मिल रही राहत

निराश्रित गौशालाओं में भी पशुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। गौ सेवा समिति के जयप्रकाश सोनी ने बताया कि बीमार पशुओं, दुधारू गायों और छोटे बछड़ों के लिए छायादार स्थानों की व्यवस्था की गई है। साथ ही दर्जनों पंखे और कूलर लगाकर ठंडक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दिन में दो बार पानी का छिड़काव किया जा रहा है, वहीं धर्मार्थ लोगों द्वारा तरबूज और हरा चारा खिलाकर गौवंश को गर्मी से राहत पहुंचाई जा रही है। गर्मी का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। लोग अत्यधिक आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दोपहर के समय मुख्य बाजारों और प्रमुख सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लगातार बढ़ती गर्मी और लू का यह दौर लोगों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। फिलहाल प्रशासन और समाजसेवियों द्वारा राहत के प्रयास जारी हैं, वहीं चिकित्सक भी लोगों को दोपहर के समय धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और जरूरी होने पर ही बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं। मंडावा सहित पूरे क्षेत्र में गर्मी का यह प्रकोप आने वाले दिनों में और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बीडीके अस्पताल में नौतपा में 9 जम्बो कुलर गोपीचंद गाडिया की ओर से भेंट

पूनीत कृष्ण गाडिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अस्पताल के रोगी वार्डों में नौतपा में लगेंगे 9 जम्बो कूलर

ट्रस्ट पूर्व में भी कर चूका 11 जंबो कूलर दान

नौतपा में बीडीके अस्पताल जिले का पहला अस्पताल बना,जिसके प्रत्येक वार्ड में जंबो कूलर की ठंडक

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल झुंझुनूं में भीषण गर्मी के मद्देनजर सामाजिक सरोकार एवं चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आमजन के सेवार्थ हेतु भामाशाह प्रतिमाह आगे रहे हैं। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डा जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि भगवानदास खेतान अस्पताल की नींव रखने से लेकर ही अस्पताल के विस्तार में भामाशाहो का सदैव योगदान रहा है। अस्पताल के विभिन्न पार्कों को गोद लेकर विकसित करना, विभिन्न वार्डों को गोद लेकर कार्य करना, आमजन के लिए वाटर कूलर का दान देना जैसे कार्य निरंतर किए जाते रहे हैं। मई माह में भीषण गर्मी के मद्देनजर गोपीचंद गाडिया द्वारा पुनीत कृष्ण गाडिया मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से लाखों की लागत से 9 जम्बो कूलर सहित रोगीयो हेतु प्रदान किए गये है। इससे नौतपा में प्रत्येक रोगी को? नौतपा में ठंडक मिल सकेगी। पीएमओ डा जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि व्हील चेयर, रोगी ट्रॉली, कूलर, पंखे, एसी दान

करने से संबंधित भामाशाहों द्वारा निरंतर प्रस्ताव आ रहे हैं ?। जो कि बीडीके अस्पताल , झुंझुनूं के प्रति भामाशाहों का विश्वास एवं लगाव का परिचायक है। जंबो कूलर प्राप्त होते ही विभिन्न वार्डों के लिए आवंटित कर दिये गये है। उक्त कूलर सामान्यत बड़े क्षैत्रफल के बड़ी संख्या में आमजन के लिए लगायें जाते हैं।जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिल सके। पीएमओ डॉ जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि नौतपा में एसी एवं सामान्य कूलर अप्रभावी हो जाते हैं। परंतु जंबो कूलर भीषण गर्मी में तापमान को ठंडकनूमा बनाए रखते हैं। अस्पताल में लू-तापघात वार्ड अलग से संचालित है।जो पूर्णतया वातानूकूलित है।

विगत दिनों जिला कलेक्टर डा अरूण गर्ग की प्रेरणा से लायंस क्लब एवं श्याम आशीर्वाद सेवा समिति द्वारा वाटर कूलर दान किया गया था?। इस दौरान पीएमओ डा जितेंद्र भाम्बू, कपिल गाडिया, आरएमओ डा विजय झाझडिया,पीसीएमओ डॉ बंशीधर झाझडिया , उपनिदेशक संदीप नेमीवाल,कैंसर रोग विशेषज्ञ डा सुशील? सैनी, स्नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश जांगीड़ ,मुकेश मीणा, गंगाधर,सुभाष बाकरा,सरिता,कविता उपस्थित रहे।

सरल-सुलभ तरीके से त्वरित न्याय ही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की खूबसूरती: मनोज मील

कंज्यूमर वॉइस 2.0 जागरूकता न्यायोत्सव अभियान का शुभारंभ

24 दिसंबर तक 1000 प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनूं के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जाता है। अधिनियम का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें समयबद्ध राहत प्रदान करना है। उन्होंने रविवार को मंडावा में आयोजित उपभोक्ता रात्रि चौपाल के दौरान कंज्यूमर वॉइस 2.0 जागरूकता न्यायोत्सव अभियान की शुरुआत करते हुए आमजन से अभियान से जुड़ने और पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने में सकारात्मक भागीदारी निभाने का आह्वान किया। यह अभियान आगामी 24 दिसंबर 2026 राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस तक जिलेभर में संचालित किया जाएगा। आयोग अध्यक्ष मनोज मील ने बताया कि अभियान के तहत 1000 प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग का प्रयास है कि इस वर्ष दर्ज होने वाले प्रकरणों की तुलना में पांच गुना अधिक लंबित मामलों का निस्तारण किया जाए, ताकि पीड़ित

उपभोक्ताओं को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान माननीय राज्य आयोग के अध्यक्ष न्यायाधिपति देवेन्द्र कच्छवाहा के मार्गदर्शन में परिपत्र दिनांक 26 फरवरी 2026 की अक्षरशः पालना के तहत संचालित किया जा रहा है। आयोग का उद्देश्य है कि उपभोक्ताओं को न्याय उनके द्वार तक पहुंचाया जाए और लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित हो। मनोज मील ने बताया कि यह अभियान लब्धप्रतिष्ठित अधिवक्ताओं देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद व संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा समस्त अधिवक्ता समुदाय को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने और आमजन को उनके अधिकार दिलाने में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधानों की दी जानकारी:

मनोज मील ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि अधिनियम के तहत प्रत्येक उपभोक्ता को सुरक्षा का अधिकार, जानकारी प्राप्त करने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, प्रतिकर प्राप्त करने का अधिकार तथा शिकायत दर्ज कराने का अधिकार प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता खराब वस्तु, घटिया सेवा, अनुचित व्यापार व्यवहार, भ्रामक विज्ञापन, बीमा दावा, बिजली-पानी बिल, ई-कॉमर्स लेनदेन अथवा अन्य उपभोक्ता सेवाओं से संबंधित समस्या का सामना करता है तो वह आयोग में शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। आयोग ऐसे मामलों में त्वरित सुनवाई कर उपभोक्ता को राहत प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी जवाबदेह बनाया गया है तथा भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर सख्त प्रावधान किए गए हैं। अधिनियम में उपभोक्ताओं को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी दी गई है, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी आसानी से न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि आयोग का प्रयास है कि उपभोक्ताओं को लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझने के बजाय कम समय में प्रभावी समाधान उपलब्ध कराया जाए। बिजली, पानी, बीमा दावा और अन्य विभागों से संबंधित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जा रहा है।

उपभोक्ता रात्रि चौपाल में सुनी समस्याएं:

उपभोक्ता रात्रि चौपाल के दौरान उपभोक्ताओं ने बिजली, पानी, बीमा दावा तथा अन्य विभागों से संबंधित लंबित मामलों की जानकारी दी, जिन पर आयोग अध्यक्ष ने संबंधित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण समिति मंडावा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऊंटगाड़ी मजदूर की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड

ईंट भट्टे पर मजदूरी करने जा रहे चालक की मौके पर दर्दनाक मौत, ऊंट भी घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

पचेरी कलां थाना क्षेत्र में रविवार अलसुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ऊंटगाड़ी चालक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई तथा मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।जानकारी के अनुसार माजरी गांव निवासी बृजलाल पुत्र होशियार सिंह (45) रोज की तरह ऊंटगाड़ी लेकर डूमोली गांव स्थित ईंट भट्टे पर ईंट भराई के कार्य के लिए जा रहा था। इसी दौरान दिल्ली-झुंझुनूं सड़क मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उसकी ऊंटगाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बृजलाल की मौके पर ही कुचलने से मौत हो गई, जबकि ऊंटगाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त

हो गई। हादसे में ऊंट भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार करवाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पचेरी कलां पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सिंघाना सीएचसी में पोस्टमार्टम करवाया। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है। मृतक मजदूर बृजलाल मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी पत्नी मिंकु को जैसे ही हादसे की सूचना मिली, वह बदहवास हो गई। परिवार के अनुसार उसका पुत्र इशांत ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा है, जबकि कुछ समय पहले ही मजदूर ने अपनी बेटी की शादी की थी। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी पूरी तरह बृजलाल के कंधों पर थी। ग्रामीणों ने बताया कि बृजलाल गांव का मिलनसार और मेहनती व्यक्ति था, जो वर्षों से ऊंटगाड़ी के माध्यम से मजदूरी कर अपने परिवार का जीवनयापन कर रहा था। उसकी अकाल मृत्यु से गांव में गहरा शोक व्याप्त है। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

हीरो चौक के पास बाइक-कार की भीषण भिड़ंत, टीएस टेक कंपनी के दो कर्मचारी गंभीर घायल; अस्पताल में इलाज जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । नीमराना क्षेत्र के हीरो चौक के पास रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक और कार की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार युवक-युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है और उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, घायलों की पहचान 22 वर्षीय विजय निवासी एटा, उत्तर प्रदेश और 19 वर्षीय नेहा निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। दोनों नीमराना स्थित टीएस टेक कंपनी में कार्यरत हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम

दोनों युवक-युवती बाइक से बहरोड़ की ओर से नीमराना की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान हीरो चौक के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों कर्मचारी सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम उनका इलाज कर रही है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कार चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल पाएगा। प्रारंभिक जांच में ओवरस्पीडिंग की आशंका जताई जा रही है। इस हादसे के बाद कंपनी के अन्य कर्मचारियों में चिंता का माहौल है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

खेत में मोटर का स्टार्टर चालू करते समय करंट लगने से महिला की मौत, दो मासूम बच्चों से उठा मां का साया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । मुंडावर क्षेत्र के गांव सिहाली कलां में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में खेत पर काम कर रही महिला की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, सिहाली कलां निवासी तन्नु कंवर पत्नी लक्ष्मण सिंह रविवार को खेत में काम कर रही थीं। इसी दौरान मोटर का स्टार्टर चालू करते समय वह अचानक करंट की चपेट में आ गईं। परिजन और आसपास मौजूद लोग तुरंत उन्हें संभालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की शादी करीब 11 वर्ष पहले हुई थी। परिवार में दो छोटे बच्चे हैं। बड़ी बेटी 10 वर्ष की है और सातवीं कक्षा में पढ़ती है, जबकि 8 वर्षीय बेटा चौथी कक्षा का छात्र है। हादसे के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। घटना की सूचना मिलते ही मुंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मुंडावर सीएचसी की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवाया। हादसे के बाद सिहाली कलां गांव में शोक का माहौल है।

साइकिल की रफ्तार से दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बालाहेडी थाना पुलिस का 'संडे ऑन साइकिल' अभियान, जवानों के साथ ग्रामीणों ने किया योगाभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । दौसा जिला पुलिस द्वारा भारत सरकार के फिट इंडिया मिशन एवं राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार रविवार सुबह थाना बालाहेडी में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान आयोजित किया गया। ग्रामीण परिवेश में आयोजित इस अभियान में पुलिस जवानों के साथ सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक और पुलिस मित्र भी उत्साह के साथ शामिल हुए। थाना परिसर से सुबह 6.15 बजे शुरू हुई साइकिल रैली मौजपुर, पीपलखेड़ा होते हुए बालाहेडी मोड़ तक निकाली गई, जहां पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने फिटनेस का संदेश देते हुए अनुशासित तरीके से साइकिलिंग की।

थानाधिकारी सत्यनारायण बसवाल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना, योग एवं व्यायाम को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग न केवल शरीर को स्वस्थ रखने का सशक्त माध्यम है, बल्कि बढ़ते प्रदूषण और यातायात दबाव को कम करने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अभियान के समापन पर थाना परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें जवानों और ग्रामीण सहभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। योग के माध्यम से मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। थानाधिकारी ने कहा कि ऐसे अभियान ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य जागरूकता के साथ पुलिस और आमजन के बीच सकारात्मक संवाद को भी मजबूत करते हैं। रविवार सुबह बालाहेडी थाना क्षेत्र में निकली साइकिल रैली लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही और पुलिस का यह प्रयास फिट इंडिया मिशन को गांव-ढाणी तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी पहल माना गया।

पवित्र पुरुषोत्तम मास में पक्षियों के लिए लगाए परिंडे, रविवार को होगा निःशुल्क महायज्ञ

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

सर्व समाज उत्थान एवं विकास समिति द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के पुनीत कार्य की शुरुआत की गई। समिति संयोजक प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया कि इस परम पवित्र मास में दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में ग्राम भगिना, भोजा का बास और पिलानी के विभिन्न मंदिरों में परिंडे लगाए गए।खास बात यह रही कि परिंडों में नियमित पानी डालने की जिम्मेदारी स्थानीय ग्रामीणों ने प्रसन्नतापूर्वक ली। भगिना के दादा भोमिया मंदिर में ललित, जय प्रकाश, विनोद, नितिन, सुनील, दीपेश और विज्ञान ने; भोजा का बास में राकेश एवं मंदिर के महंत भोला गिरि महाराज ने; तथा पिलानी में फूल जी और राजपाल व उनकी पत्नी ने यह

दायित्व संभाला। इसके अलावा सोम गिरि मंदिर में समिति द्वारा पानी के टैंकर की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री विनोद जांगिड़, मनोहर लाल, ओम नारायण, गंगाधर रामायणी, मनीष और अशोक पीपलवा सहित अनेक सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने मिलकर प्रत्येक मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। समिति ने आगामी रविवार को हर मंदिर में निःशुल्क गणेश महायज्ञ करने का निर्णय लिया है, जिसकी ग्रामीणों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। अंत में महंत भोला गिरि महाराज ने समिति को निरंतर उन्नति का आशीर्वाद दिया।

भगत सिंह सेना का 21वां रक्तदान शिविर, 94 यूनिट रक्त संग्रहित; TES-55 में AIR-67 लाने वाले मोहित फलस्वाल का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । ग्राम जसाई स्थित सरपंच कार्यालय में रविवार को युवा भगत सिंह सेना के तत्वावधान में 21वें रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सेना के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी वीरेंद्र उर्फ वीरू पंडित सरपंच ने किया। शिविर में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान कुल 94 यूनिट रक्तदान किया गया, जबकि 410 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण TES-55 में ऑल इंडिया रैंक 67 प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले होनहार मोहित फलस्वाल का सम्मान रहा। अतिथियों ने मोहित की उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पार्क हॉस्पिटल के सहयोग से लगे स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी के साथ हड्डी, नस, पेट व अन्य बीमारियों की निःशुल्क जांच कर परामर्श दिया। साथ ही RGHS, ECHS, ESI, TPA व अन्य पैनलों के तहत कैशलेस इलाज की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। समारोह में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर रहे। उनके साथ सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, बीजेपी जिलाध्यक्ष महासिंह, अजमेर सिंह चौधरी, पूर्व प्रधान विनय व्यास, ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष

रामसिंह शर्मा, युवा जिलाध्यक्ष आकाश मिश्रा, खैरथल जिलाध्यक्ष आकाश त्रिवेदी, यादवेन्द्र उपाध्याय, शेरसिंह चौधरी, लीलाराम चौधरी, हरिसिंह चौधरी, सत्यनारायण शर्मा, राजेन्द्र पाण्डेय, योगेन्द्र मास्टर, राजेन्द्र शर्मा, पवन तिवाड़ी, शिवलाल थानेदार, पूर्व सरपंच रामनाथ, होशियार लम्बरदार, बस्ती लम्बरदार, पूर्व सरपंच धर्मवीर, श्योराम, रोहतास चौधरी, सुखीराम, सुरेन्द्र सरपंच, रुद्र, प्रदीप, तरवेश पहलवान, सुनिल फौजी, राकेश गुर्जर धानोता, अजय सिंह, जीतराम समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों व सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि जनसेवा के ऐसे आयोजन आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

धरती आबा योजना से महवा के आदिवासी अंचल को बड़ी सौगात, छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों के लिए खुले खजाने

विधायक राजेन्द्र मीणा की अनुशंसा पर करीब 8.98 करोड़ स्वीकृत, जनजाति बहुल गांवों में शिक्षा सुविधाओं को मिलेगा नया आधार

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । जनजाति बहुल क्षेत्र महवा और पंचायत समिति बैजूपाड़ा के विद्यार्थियों के लिए राज्य सरकार ने बड़ी सौगात दी है। धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष योजना अभियान के तहत जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा करीब 8 करोड़ 98 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। यह राशि क्षेत्र के जनजाति बालक-बालिका छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों के विकास पर खर्च होगी। लंबे समय से आधारभूत सुविधाओं और संसाधनों की कमी झेल रहे आदिवासी विद्यार्थियों को अब बेहतर आवासीय और शैक्षणिक वातावरण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा क्षेत्र महवा के विधायक राजेन्द्र मीना की अनुशंसा पर जारी इस स्वीकृति में सबसे बड़ी राशि आवासीय विद्यालय नयागांव के लिए दी गई है। नयागांव आवासीय विद्यालय हेतु 4 करोड़ 38 लाख रुपए की नई

महवा विधायक राजेन्द्र मीना।

स्वीकृति जारी हुई है, जबकि पूर्व में स्वीकृत 2 करोड़ रुपए को जोड़कर अब कुल राशि 6 करोड़ 38 लाख रुपए तक पहुंच गई है। इसके अलावा ग्राम उकरुंद स्थित जनजाति आश्रम छात्रावास के लिए 95 लाख रुपए, मुनापुरा छात्रावास के लिए 75 लाख रुपए, अलियापाड़ा छात्रावास के लिए 70 लाख रुपए तथा निहालपुरा छात्रावास के लिए 20 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण और जनजाति अंचल में लंबे समय से छात्रावासों की जर्जर स्थिति, सीमित संसाधन और विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सुविधाओं के अभाव को लेकर लगातार मांग उठ रही थी। अब इस स्वीकृति के बाद छात्र-छात्राओं को बेहतर भवन, आवासीय व्यवस्थाएं, अध्ययन सुविधाएं और मूलभूत संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में यह निर्णय आदिवासी परिवारों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विधायक राजेन्द्र मीना ने इस स्वीकृति को क्षेत्र की जनता और जनजाति समाज के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजाति अंचल के विकास, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है तथा आने वाले समय में क्षेत्र के विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

कीर कहार केवट कश्यप मेहरा स्वजातीय समाज का ऐतिहासिक एवं विशाल चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन 25 जून को

माण्डकलां नगरफोर्ट में उमड़ेगा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोंक।

टोंक जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल व पवित्र सरोवर माण्डकलां (मिनी पुष्कर) नगरफोर्ट में स्थित श्रीहरि सद्गुरु कालू बाबा के मंदिर में नगरफोर्ट के कीर समाज के पंच पटेलों की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें 25 जून 2026 निर्जला एकादशी को कीर कहार केवट कश्यप मेहरा स्वजातीय समाज का चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया तथा सामूहिक विवाह सम्मेलन की कार्यकारिणी में बहार गावों के पंच पटेलों को शामिल करने का भी निर्णय लिया गया। इस बैठक में प्रथम

सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष किशन लाल कहार व्याख्याता, रामदेव मंगरियाव, हरिराम महाराज, गणपत, सरलाल, सत्यानारायण (शेट्टी) , रामप्रकाश, राजू, चोथमल, सत्यनारायण, सोराज, महावीर, कचनार, शिवराज फोजी, गिर्राज, कालू राम, सोजी, छोटुलाल, हेमराज, ग्यारसीलाल, हेमराज अध्यापक, मोहनलाल, प्रभूलाल, प्रकाश, बद्री, गोपाल, प्रहलाद, बनवारी, कालू कम्पाउंडर, लेखराज, भरत ठेकेदार सहित अनेक स्थानीय समाज बंधु मोजूद थे।

मन की बात: योग जीवन का आधार, स्वस्थ जीवन की कुंजी है नियमित योग

पाटोदा आयुर्वेद औषधालय के योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा का संकल्प—हर आंगन तक पहुंचे योग का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय आयुर्वेद औषधालय पाटोदा में कार्यरत योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने का सबसे सरल, सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित योगाभ्यास अत्यंत आवश्यक हो गया है। योग न केवल शरीर को मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। योग प्रशिक्षक मोगा ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर की आंतरिक और बाहरी शक्ति में वृद्धि होती है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होता है, जिससे व्यक्ति कई बीमारियों से बचाव कर सकता है। योग के माध्यम से तनाव, चिंता और थकान जैसी समस्याओं से राहत मिलती है तथा मन एकाग्र और स्थिर रहता है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक ऐसी प्राचीन भारतीय पद्धति है जो मनुष्य को मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। योग शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की कला है, जिससे व्यक्ति जीवनभर स्वस्थ और ऊर्जावान रह सकता है।

हर घर-हर आंगन तक पहुंचेगा योग का संदेश

योग शिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने भगवान धन्वंतरि से प्रार्थना कर संकल्प लिया कि पाटोदा गांव ही नहीं, बल्कि संपूर्ण पंचायत क्षेत्र और आसपास के गांवों तक योग के महत्व और लाभों को पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना उनका उद्देश्य है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर निरोग रह सके। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करें और अपने परिवार सहित इसके लाभ प्राप्त करें। उनका मानना है कि यदि योग को जन-जन तक पहुंचाया जाए तो समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी और लोग दवाइयों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक जीवनशैली की ओर अग्रसर होंगे। योग अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं – यही है स्वस्थ समाज की मजबूत नींव।

'पहले नल बंद किया, फिर लाठी बरसी:

मंडावर ट्रक यूनियन में चौकीदार पर हमला, जान से मारने की धमकियों से दहशत,मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के थोबड़ी चौराहे स्थित ट्रक यूनियन परिसर में रविवार सुबह मामूली कहासुनी देखते ही देखते खूनी विवाद में बदल गई। चौकीदारी कर परिवार का पेट पालने वाले व्यक्ति पर पहले गाली-गलौज और मारपीट की गई, फिर कुछ ही देर बाद आरोपी लाठी लेकर दोबारा लौटा और हमला कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद ट्रक यूनियन क्षेत्र में देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पीड़ित की रिपोर्ट पर मंडावर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी रिपोर्ट में रायपुर निवासी 52 वर्षीय दीपाराम मीणा ने बताया कि वह मंडावर ट्रक यूनियन में चौकीदारी के साथ चाय की दुकान चलाकर जीवनयापन करता है। रविवार सुबह वह यूनियन परिसर में लगे नल पर नहा रहा था। इसी दौरान गांव का ही शिब्बूराम मीणा वहां पहुंचा और अचानक नल बंद कर दिया। विरोध जताने पर आरोपी आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर ट्रक यूनियन के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि विवाद शांत होने के कुछ समय बाद आरोपी फिर से लाठी लेकर मौके पर पहुंच गया। उस समय दीपाराम अपनी चाय की दुकान पर काम कर रहा था। आरोप है कि शिब्बूराम ने आते ही फिर हमला बोल दिया और लाठी से मारपीट कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित और उसके परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी लगातार उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहा है। ग्रामीण अंचल में अक्सर छोटी बातों से भड़कने वाले विवाद अब हिंसक रूप लेने लगे हैं। 'जब गुस्से की आग रिश्तों पर भारी पड़ जाए, तब गांव की चौपाल भी रणभूमि बन जाती है।' ट्रक यूनियन जैसे सार्वजनिक स्थल पर दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था और कानून के भय पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइकिल की रफ्तार से गूंजा फिट इंडिया का संदेश

मंडावर थाना पुलिस की 'संडे ऑन साइकिल' मुहिम, शहर की सड़कों पर जवानों संग उतरे ग्रामीण, योगाभ्यास और फल वितरण से दिया स्वस्थ जीवन का संदेश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । भारत सरकार के फिट इंडिया मिशन एवं राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार रविवार सुबह मंडावर थाना पुलिस द्वारा आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' अभियान कस्बे में आकर्षण का केंद्र बना रहा। ग्रामीण परिवेश और जनसहभागिता से जुड़े इस अभियान में पुलिस जवानों के साथ सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक और पुलिस मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दियासुबह 6.15 बजे मंडावर थाना परिसर से शुरू हुई साइकिल रैली थाना के मुख्य प्रवेश द्वार से गांधी चौक, कपड़ा मार्केट, पुराना बस स्टैंड, मिस्त्री मार्केट और नया बस स्टैंड के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंची तथा वापस थाना परिसर तक निकाली गई। कस्बे के प्रमुख बाजारों और मार्गों से गुजरती इस रैली ने आमजन का ध्यान अपनी ओर खींचा। पुलिसकर्मियों और ग्रामीण सहभागियों ने अनुशासित ढंग से साइकिलिंग करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। थानाधिकारी प्रवीण मीना ने बताया कि अभियान का उद्देश्य आमजन को योग, व्यायाम और शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोग दैनिक जीवन में स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग शरीर को

संडे ऑन साईकिल अभियान के दौरान मंडावर पुलिस के जवान

स्वस्थ रखने के साथ-साथ बढ़ते प्रदूषण और यातायात दबाव को कम करने का भी प्रभावी माध्यम है। ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में ऐसे अभियानों से लोगों में स्वास्थ्य चेतना बढ़ती है तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है।

अभियान के समापन पर थाना परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें पुलिस जवानों सहित ग्रामीण सहभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। योग के माध्यम से मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। वहीं मंडावर थाना पुलिस की ओर से सभी प्रतिभागियों को फल वितरण भी किया गया। थानाधिकारी प्रवीण मीना ने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और सकारात्मक जनसंपर्क को मजबूत करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। रविवार सुबह मंडावर थाना क्षेत्र में निकली यह साइकिल रैली फिट इंडिया मिशन को गांव-ढाणी और कस्बों तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी पहल के रूप में देखी गई।

नौतपा 2026: नौतपा कब से शुरु होगा, इन 9 दिन अपने चरम पर रहेगी गर्मी, जानें क्या करें क्या न करे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । नौतपा के दौरान गर्मी अपनी चरम पर होती है। इन दिनों में गर्मी का कहर काफी ज्यादा होता है। इन 9 दिन गर्मी लोगों का हाल बेहाल कर देती है। सूर्य जब भी रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तब गर्मी अधिक हो जाती है। आइए जानते हैं नौतपा कब से शुरु हो रहा है। साथ ही जानें इस दौरान क्या करें क्या न करें। गर्मी के मौसम में तापमान लगातार बढ़ते जा रहा है। सूर्य की तपिश लोगों को जला रही है। लेकिन, अभी गर्मी और कहर बरपाने वाली है। दरअसल, नौतपा का आरंभ होने पर गर्मी और भी अधिक बढ़ जाएगी। दरअसल, नौतपा में तापमान तेजी से बढ़ता है और लू भी चलने लगती हैं। दरअसल, ज्येष्ठ मास में जब सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तब नौतपा का आरंभ हो जाता है। यह नौ दिन बहुत ही ज्यादा गर्म होते हैं। इन दिनों में गर्मी अपने चरम पर होती है। आइए जानते हैं इस साल नौतपा का आरंभ कब से होने वाला है।

नौतपा कब से आरंभ हो रहा है

इस साल नौतपा की शुरुआत 25 मई से होने वाली है और 2 जून तक नौतपा रहेगा। इस दौरान गर्मी बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में इसे वर्षा ऋतु का आरंभ भी माना जाता है। माना जाता है कि इन 9 दिन अगर गर्मी काफी अधिक रहती है तो आने वाले दिनों में वर्षा भी काफी अच्छी होती है।

नौतपा में क्या करें

* नौतपा के दौरान सूर्यदेव की उपासना करना अधिक सफल और सकुशल माना जाता है। इस दौरान सूर्यदेव की अधिक से अधिक उपासना करनी चाहिए।
* इन 9 दिनों में सूर्यदेव को रोजाना जल अर्पित करना चाहिए। साथ ही सूर्यदेव के मंत्रों का जप भी करते रहना चाहिए।
* नौतपा के दौरान जल, शरबत, सत्तू, छाता, जल का घड़ा, पंखे, मौसमी सब्जियां और फलों का दान जरूरतमंद लोगों को करना चाहिए।
* नौतपा के दौरान जितना हो सकें समाज सेवा से जुड़े कार्य करें। अपने बुजुर्गों की सेवा करें ऐसे करने से कुंडली में कमजोर सूर्य मजबूत होता है।
* नौतपा में पानी और शरबत का भंडारा करें।

नौतपा के दौरान क्या न करें

* इस दौरान किसी को पानी के लिए मना न करें। अगर आपके घर कोई पशु, पक्षी भी आता है तो उसके लिए पानी की सही व्यवस्था करें।
* नौतपा के दौरान तामसिक भोजन से परहेज करें। प्याज, लहसुन आदि का सेवन करने से बचें।
* बासी खाना से परहेज करें। जितना हो सके ताजा भोजन ही करें।
* अधिक यात्रा करने से परहेज करें। क्योंकि, नौतपा के दौरान गर्मी काफी ज्यादा रहती है।

नौतपा बरपाएगा कहर गर्मी रहेगी उफान पर, 25 मई से सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध के होगा काफी करीब सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ 25 मई से नौतपा शुरू हो जाएगा। मान्यता है कि 9 दिनों तक सूर्य देव उग्र गर्म में रहते हैं। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 25 मई को 3.37 बजे प्रवेश करेंगे। इसके बाद सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 8 जून को 1.33 बजे तक अर्थात 15 दिन रहेंगे। ऐसे में सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के प्रारंभ के नौ दिन तक नौतपा का प्रभाव रहेगा। आठ जून को ही सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे और 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 15 दिनों के लिए आता है तो उन पंद्रह दिनों के पहले नौ दिन सर्वाधिक गर्मी वाले होते हैं। इन्हीं शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। यदि नौतपा में बारिश हो जाए तो माना जाता है कि मानसून कमजोर रहेगा।

इनका कहना है:

ज्योतिष के अनुसार 25 मई से दो जून तक नौतपा का प्रभाव अपने चरम पर रहेगा और तेज धूप व गर्मी का सामना करना पड़ेगा। नौतपा में जितना तापमान चढ़ेगा, आने वाले समय में उतनी ही अच्छी वर्षा होने की भी संभावना बढ़ जाती है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल मिश्रा

नौतपा में सूर्य उत्तरी गौलार्द्ध के काफी नजदीक आ जाता है, इससे तापमान बढ़ जाता है। इस दौरान पृथ्वी पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं, इससे गर्मी अपने चरम पर होती हैं। यदि नौतपा के दौरान बारिश हो जाए तो माना जाता है कि मानसून कमजोर रहेगा।

पंडित मुकेश जोशी

झडाया बजरंग धाम आश्रम पर यज्ञ को लेकर हुआ विशाल धर्म सभा का आयोजन

17 जून से आयोजित होगा 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ

धर्म सभा के दौरान आगामी तैयारी को लेकर हुआ विचार विमर्श

यज्ञ में आहुति देने से देवता प्रसन्न होते हैं- डॉक्टर रामकुमार सिराधना

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ायां बालाजी धाम पर होने जा रहे 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ की तैयारीयों के मद्देनजर रविवार को मन्दिर परिसर में बाहुबलाचार्य बलदेव दास जी महाराज व महामण्डलेश्वर सीताराम दास महाराज व वासुदेव मिश्र के सानिध्य में धर्म सभा का हुआ आयोजन हुआ द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदन लाल भावरिया, डॉ.रामकुमार सिराधना, संरक्षक गजानंद लाटा, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, महालक्ष्मी ज्वैलर्स के मालिक मनरूप मांठ, संजय शास्त्री ने अपने सुझाव व

मार्गदर्शन दिए द्य यज्ञ सेवा समिति के व्यवस्थापक विकास जांगिड़ ने अब तक की तैयारीयों का विवरण पढकर सुनाया इस अवसर पर महन्द्र सिंह तेतरवाल,गोकुलचन्द प्रजापति,महेश कुमार,श्रीलाल यादव,महेन्द्र यादव,सन्तु यादव,दीपचन्द यादव, प्रहलाद नून, भगवान सहाय यादव,सुण्डाराम, शीशराम भावरीया, जयचन्द रोहिलान, हनुमान दास, मोहन लाल अग्रवाल, प्रेमिसंह गजराज, सहीराम भगत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे?। धर्मसभा में यह बात सार्वजनिक रूप से बड़े जोश और जुनून के साथ उभर कर आई कि 17 जून से 25 जून 2026 का श्रीराम महायज्ञ शेखावाटी का ऐतिहासिक यज्ञ होगा जिसमें लाखों भक्तों व संतों की उपस्थिति साक्षि होगी ।

'सूरज बरसाने लगा अंगारे ': मंडावर में दोपहर का सन्नाटा बना डरावना मंजर, गांधी चौक पर पसरा अघोषित कर्फ्यू सा माहौल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'धरती तपे तवे सी, हवा बने अंगार '... इन दिनों मंडावर कस्बे में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है। पिछले सप्ताह हुई हल्की बारिश के बाद लोगों को मिली राहत अब तपते सूरज की आग में पूरी तरह गायब हो चुकी है। बीते चार दिनों से लगातार बढ़ रही गर्मी ने आमजन का जीना बेहाल कर दिया है। रविवार को सूर्यदेव ने सुबह से ही ऐसे तीखे तेवर दिखाए कि दोपहर होते-होते पूरा कस्बा मानो गर्म हवाओं की गिरफ्त में कैद हो गया। तपती धूप और लू के थपेड़ों ने हालात इतने विकट कर दिए कि मंडावर का मुख्य व्यापारिक केंद्र गांधी चौक दोपहर में पूरी तरह सूना नजर आया। सड़कें वीरान पड़ी रहीं, बाजारों में पसरा सन्नाटा लोगों को कोरोना काल के लॉकडाउन और कर्फ्यू जैसे दिनों की याद दिलाता रहा। आम दिनों में जहां चाय की थड़ियों से लेकर दुकानों तक लोगों की चहल-पहल रहती है, वहीं

भीषण गर्मी में सूना पडा मंडावर का चौराहा

रविवार दोपहर हालात ऐसे दिखे मानो शहर की रफ्तार पर किसी ने अचानक ब्रेक लगा दिया हो। 'धूप ऐसी कि परिंदे भी छांव तलाशने लगे '... यही हाल आमजन का रहा। लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को कपड़ों से ढककर तेज धूप से बचने की जद्दोजहद करते नजर आए। गर्म हवाओं ने दोपहर में बाजार की रौनक पूरी तरह निगल ली। भीषण गर्मी की मार सबसे ज्यादा स्थानीय व्यापार पर पड़ती दिखाई दी। गांधी चौक सहित मुख्य बाजारों में दुकानदार घंटों तक ग्राहकों का इंतजार करते रहे, लेकिन दोपहर के वक्त इक्का-दुक्का लोग ही बाजार में नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि अब कारोबार केवल सुबह और शाम तक सिमटकर रह गया है, जबकि दोपहर में बाजार पूरी तरह ठप पड़ रहे हैं। लगातार गिरती ग्राहकी ने छोटे व्यापारियों की चिंता भी बढ़ा दी है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक-दो दिनों तक गर्मी के तेवर और अधिक तीखे बने रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को अभी झुलसाती धूप और लू से राहत मिलने के आसार कम नजर आ रहे हैं। ग्रामीण अंचल में भी हालात कम गंभीर नहीं हैं।खेत-खलिहानों में काम करने वाले किसान और मजदूर दोपहर में काम छोड़ छांव तलाशने को मजबूर हैं। 'ये धूप नहीं इम्तिहान है, जो झेल गया वही इंसान है '... मंडावर में इन दिनों मौसम कुछ इसी अंदाज में लोगों की सहनशक्ति की परीक्षा लेता नजर आ रहा है।

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतने सालों बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई ऑपरेशन अंतिम प्रहार के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद शिफ्टिंग पर निर्णायक मंथन तेज

- 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने पर चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक माहौल के बीच कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनैशनल एयरपोर्ट परिसर में स्थित 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने का मामला फिर से गरमा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी, जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच लगातार हो रही बैठकों के बाद बकरीद के बाद इस पर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला आने की संभावना है। यह घटनाक्रम सिर्फ एक धार्मिक स्थल या हवाईअड्डे के विस्तार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे बंगाल की बदलती राजनीति का एक महत्वपूर्ण संकेत भी माना जा रहा है, जहां वर्षों से लंबित संवेदनशील मामलों को अब गति मिल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मस्जिद एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल से लगभग 150 मीटर अंदर और सेकेंडरी रनवे से मात्र 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस निकटता के कारण सेकेंडरी रनवे का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो हवाईअड्डे की सुरक्षा और परिचालन क्षमता के लिए एक चुनौती है। भाजपा लंबे समय से सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्राथमिकता देती रही है और अब राज्य एवं केंद्र की सोच में तालमेल दिखने से ऐसे कई पुराने और विवादित प्रोजेक्ट्स को गति मिल सकती है।

तकनीकी खराबी के बाद प्रशिक्षण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब प्रशिक्षण उड़ान पर निकले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलटों ने जलाली क्षेत्र के पास विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई। जानकारी के अनुसार धनीपुर एयरपोर्ट से पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई। सुबह करीब 11 बजे पायलटों ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक छिपे ठिकाने का पर्दाफाश किया है। इसी के साथ ही बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई निलसर कांडी इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन तथा 09 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन बरामद हुए। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं।

लुमाश में पूर्व सैनिक सेवा परिषद व केडी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र जांच शिविर, प्रतिभाओं व पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। ग्राम लुमाश स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में केडी आई हॉस्पिटल सेंटर फॉर साइट झुंझुनूं के सौजन्य से अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद झुंझुनूं द्वारा एक प्रेरणादायक शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, ग्रामीणों, युवाओं और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। कार्यक्रम में सूबेदार रामनिवास डूडी (जिला अध्यक्ष एवं पंचायत समिति सदस्य), अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद झुंझुनूं के अध्यक्ष धर्मपाल सिंह भांभू, मंडावा अध्यक्ष कैप्टन विनोद कुमार, उपाध्यक्ष कैप्टन प्रताप सिंह तथा सचिव सूबेदार सुमेर सिंह महला सहित कई पूर्व सैनिक अधिकारी उपस्थित रहें। सबसे पहले सेना अधिकारियों ने लुमाश के स्टेडियम का निरीक्षण किया तथा वहां चल रहे नुआ और लुमाश टीम के फुटबॉल मैच का अवलोकन किया। इस दौरान खिलाड़ियों से परिचय कराते हुए अधिकारियों ने कहा कि खेल हमेशा खेल

भावना से खेलना चाहिए और युवाओं को अनुशासन, समर्पण तथा राष्ट्रसेवा की भावना अपने जीवन में अपनानी चाहिए। इसके बाद राजकीय विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों और भूतपूर्व सैनिकों ने सभी सेना अधिकारियों का पारंपरिक स्वागत किया। पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष एवं सूबेदार मेजर धर्मपाल सिंह भांभू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'देश सेवा ही नारायण सेवा है।' उन्होंने युवाओं को मेहनत, तप और त्याग का महत्व बताते हुए सेना में भर्ती होकर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। सूबेदार रामनिवास डूडी ने भी युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशे की प्रवृत्ति की ओर बढ़ रही है, जो राष्ट्र और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने युवाओं से नशा त्यागकर अच्छे कार्यों, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान गांव के वरिष्ठ भूतपूर्व सैनिक खुमान सिंह गोदारा और उमेद सिंह शेखावत को मेडल एवं सेना का दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। सेना अधिकारियों ने पूर्व सैनिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। इसी कड़ी में खेल, पर्यावरण, समाजसेवा और भामाशाह सहयोग जैसे क्षेत्रों में गांव का नाम रोशन करने वाले नागरिकों और खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। पर्यावरण संरक्षण में संजय शर्मा, समाजसेवा में सावरमल गोदारा, संजीव गोदारा, कैलाश चंद्र जांगिड़, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अरविंद शेखावत, खेल क्षेत्र में कोच कुलदीप सिंह भोजासर, नरेंद्र शेखावत तथा भामाशाह सहयोग में विद्याधर कालेर और निर्मला साईं सहित राज्य स्तरीय खिलाड़ी ओवी, काजल, पूर्वी, कोमल, देवेंद्र साईं और दीपक को मेडल व सेना दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजकीय विद्यालय में केडी हॉस्पिटल झुंझुनूं की ओर से नेत्र जांच शिविर भी लगाया गया।

हॉस्पिटल टीम ने बताया कि शिविर में करीब 150 मरीजों की आंखों की जांच की गई तथा सभी को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी जानकारी दी गई। शिविर में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय शर्मा, सावरमल गोदारा, अजीत सिंह, बाबूलाल सैनी, रणवीर गोदारा, केशरदेव शर्मा, विद्याधर कालेर, निर्मला साईं, अरविंद शेखावत, नवीन बूगालिया, जगदीश गोदारा सहित अनेक ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन संजीव गोदारा और कैलाश चंद्र जांगिड़ ने किया। शिविर और सम्मान समारोह ने गांव में सामाजिक एकता, राष्ट्रसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और युवा प्रेरणा का संदेश दिया।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: 11 घंटे का लंबा इंतजार और दर्शन सिर्फ डेढ़-दो सेकंड के

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में इस समय रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ के कारण भक्तों को दर्शन के लिए 10 से 11 घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड और भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं को गर्भगृह में केवल डेढ़ से दो सेकंड तक ही रुकने का अवसर मिल पा रहा है।

जानकारी अनुसार हर दिन करीब 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रशासन और मंदिर समिति के सामने व्यवस्थाएं संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। भीड़ के चलते गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 27 किलोमीटर के रास्ते पर लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं को यह दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे तक का समय लग रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था लागू की है, लेकिन यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से दबाव बना हुआ है।

दर्शन का समय बढ़ाकर 22 घंटे किया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 22 घंटे कर दिया है। भीड़ को व्यवस्थित करने

के लिए टोकन व्यवस्था भी लागू की गई है, हालांकि कई बार यात्रियों की अनियंत्रित संख्या के कारण यह व्यवस्था प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुझाव

श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर जाने से पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य ही करवाएं। जो यात्री लंबी पैदल यात्रा या भीड़ से बचना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा सेवा के माध्यम से हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर सकते हैं। इसी के साथ ही श्रद्धालु विशेष पूजा या वीआईपी दर्शन सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं, जिससे लंबी कतारों से बचने में मदद मिल सकती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तड़के सुबह या दोपहर में कपाट बंद होने के बाद शाम के समय दर्शन के लिए अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सकती है।

मंडावा में सिलेंडर लीकेज से रसोई में लगी भीषण आग, घरेलू सामान जलकर राख

स्थानीय लोगों और गैस एजेंसी कर्मचारियों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब, सूचना के बावजूद नहीं पहुंची मंडावा टीम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। मंडावा कस्बे के वार्ड नंबर 11 स्थित ढीगाल रोड पर रथ होटल के सामने गली में गुलजारीलाल लूनिया के मकान में रविवार को सिलेंडर लीकेज के कारण रसोई में भीषण आग लग गई। हादसा उस समय हुआ जब घर में चाय बनाई जा रही थी। आग ने देखते ही देखते रसोई में रखा खाने-पीने का सामान, घरेलू वस्तुएं और अन्य जरूरी सामान अपनी चपेट में ले लिया, जिससे पूरा सामान जलकर राख हो गया और परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत गैस एजेंसी और मंडावा फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि मंडावा फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब होने के कारण टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही आसपास के लोगों और पड़ोसियों ने साहस दिखाते हुए मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका गया और बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान गैस एजेंसी के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में सहयोग किया। करीब 15 किलोमीटर दूर मुकुंदगढ़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया था। लोगों का कहना है कि यदि समय पर सतर्कता नहीं बरती जाती तो यह हादसा और भी गंभीर रूप ले सकता था।

पीड़ित परिवार ने फायर व्यवस्था पर उठाए सवाल

पीड़ित परिवार सदस्य गुलजारीलाल लूनिया और कृष्णा देवी ने बताया कि आग लगने के बाद कुछ लोग मंडावा फायर ब्रिगेड स्टेशन पहुंचे, लेकिन वहां करीब आधे घंटे तक कोई कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। बाद में फोन पर संपर्क करने पर बताया गया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब है, इसलिए कोई टीम मौके पर नहीं पहुंच सकती। उन्होंने कहा कि पर्यटन नगरी मंडावा में फायर ब्रिगेड की केवल एकमात्र गाड़ी होना और उसका भी खराब होना गंभीर चिंता का विषय है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले नजदीकी गांव बाजीसर में ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटना के दौरान भी मंडावा से फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंच पाई थी। लगातार दूसरी आग की घटना के बाद मंडावा की फायर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मंडावा कस्बे में विदेशी और स्थानीय पर्यटकों का लगातार आवागमन रहता है। ऐसे में नगर पालिका क्षेत्र में फायर ब्रिगेड वाहनों की संख्या बढ़ाने और खराब पड़ी गाड़ियों को जल्द दुरुस्त करने की मांग तेज हो गई है, ताकि भीषण गर्मी के दौरान किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

फायर ब्रिगेड कर्मियों से चल रहा नगर पालिका का काम!

मंडावा नगर पालिका क्षेत्र में फायर ब्रिगेड व्यवस्था को लेकर एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार मंडावा नगर पालिका के पास फायर ब्रिगेड की केवल एक गाड़ी उपलब्ध है, जिस पर सात पुरुष कार्मिक, एक महिला कार्मिक और एक ठेका चालक कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड से जुड़े अधिकांश कार्मिक फायर स्टेशन पर तैनात रहने के बजाय नगर पालिका के विभिन्न प्रशासनिक और कार्यालयी कार्यों में लगे हुए हैं। जानकारी के अनुसार सुरजीत यादव कार्यालय संबंधी कार्य देख रहे हैं, जबकि नरेंद्र सिंह को सफाई प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। राजपाल को संस्थापन शाखा का कार्य सौंपा गया है। वहीं महिला फायर ब्रिगेड कार्मिक ममता जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण से जुड़ा कार्य संभाल रही हैं। इसके अलावा सहीराम ढाका, पूरणमल, शिवकुमार और रविंद्र कुमार भी नगर पालिका के विभिन्न कार्यालयी कार्यों में लगे हुए बताए जा रहे हैं। वहीं चालक राजवीर को ठेके पर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार ये सभी कार्मिक अधिकतर समय फायर ब्रिगेड स्टेशन पर न रहकर नगर पालिका कार्यालय में कार्य करते रहते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आपात स्थिति के दौरान फायर ब्रिगेड की त्वरित उपलब्धता और संचालन कैसे सुनिश्चित होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवा के कर्मचारियों से नगर पालिका के नियमित कार्य करवाना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लगातार आग की घटनाओं के बीच यह मामला सामने आने के बाद मंडावा की फायर सुरक्षा व्यवस्था और नगर पालिका के कार्य संचालन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि फायर ब्रिगेड कार्मिकों की तैनाती उनके मूल कार्यों के अनुसार सुनिश्चित की जाए, ताकि आपात स्थिति में आमजन को समय पर राहत मिल सके।

सीएम विजय ने कैबिनेट में 8 दलित विधायकों को शामिल कर बनाया रिकॉर्ड

-यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित नए युग की शुरुआत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता से हटाकर टीवीके ने सबको हैरान कर दिया। थलपति विजय ने जब से सीएम पद की शपथ ली, तब से वह लगातार चर्चा में हैं। अब उनके कैबिनेट विस्तार की चर्चा हो रही है। यह चर्चा है कैबिनेट में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या को लेकर है। तमिलनाडु के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कैबिनेट है। यह बढ़ोतरी, विजय के कार्यकाल के पहले साल में उनके बढ़ते जनादेश को दर्शाती है। इसके साथ ही कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी मंत्रियों को शामिल करने का एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

थलपति विजय की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के 8 विधायक शामिल हैं। विजय की कैबिनेट को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण से 23 नए मंत्रियों को शामिल करना, सामाजिक समावेश और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। जानकारों का मानना है कि तमिलनाडु की पिछली कैबिनेट की तुलना में यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर जब अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात आती है।

कैबिनेट का हालिया विस्तार जाति संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सहयोगी दलों को जगह देने और युवा प्रतिभाओं को शामिल करने का एक बेहतरीन मेल है। सीएम विजय समेत 35 सदस्यों तक पहुंचने के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या में अब बढ़ोतरी हुई है।

विजय की कैबिनेट में शामिल 8 अनुसूचित जाति के विधायक हैं जिनमें एस कमाली, वी गांधीराज, पी मथन राजा, डी लोगेश तमिलसेल्वन, के थेन्नारासु, पी विश्वनाथन, ए राजमोहन, वन्नी अरसु इनमें अनुभवी विधायकों के साथ-साथ राजनीति में अपेक्षाकृत नए चेहरे भी शामिल हैं, और यह महत्वपूर्ण मंत्रालयों में एससी प्रतिनिधित्व के लिए एक अच्छा संकेत है। 22 मई को मंत्रियों को शामिल करने के बीच ए एम शाहजहां (आईयूएमएल) और वन्नी अरसु (वीसीके) ने चेन्नई के राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। पापनासम सीट से आने वाले शाहजहां को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। वे एक समाज सेवक और एक चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। वे लंबे समय से तंजावुर में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

विजय कैबिनेट के गठन में कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके नेताओं के अलावा एससी नेताओं का चयन, सहयोगी दलों और सामाजिक पहुंच के ज़रिए राजनीतिक एकीकरण का एक संकेत है। चार सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ, सरकार एक व्यापक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रही है। यह फेरबदल महज प्रशासनिक नहीं है। यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित एक नए युग की ओर इशारा करता है। शासन-प्रशासन में एससी और हाशिए पर पड़े समुदायों को अब और ज्यादा प्रतिनिधित्व और पहचान मिलेगी।

मधुहारी मिशन के अंतर्गत वार्षिक मधुमेही पैर जांच शिविर का आयोजन आज से

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार मिशन मधुहारी के अंतर्गत मधुमेह रोगियों में होने वाली दीर्घकालीन जटिलताओं की रोकथाम एवं शीघ्र पहचान हेतु 'वार्षिक मधुमेही पैर जांच शिविर' आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. अटल भास्कर ने बताया कि यह विशेष अभियान 25 मई से 25 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रथम प्रकार एवं द्वितीय प्रकार के मधुमेह से पीड़ित सभी मरीजों के पैरों की निःशुल्क जांच की जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार मधुमेह रोगियों में पैरों की नसों की कमजोरी, सुन्नपन, जलन, घाव, संक्रमण एवं रक्त संचार संबंधी समस्याएं गंभीर रूप ले सकती हैं। समय पर जांच एवं शीघ्र पहचान से उचित उपचार एवं आवश्यकता अनुसार उच्च चिकित्सा केंद्र पर भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कर जटिलताओं को कम किया जा सकता है, जिससे मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार संभव है।

उन्होंने बताया कि शिविर में पैरों की नसों एवं रक्त संचार की जांच, सुन्नपन एवं झुनझुनी की जांच, घाव, संक्रमण एवं सूजन की पहचान, मधुमेही तंत्रिका विकार एवं पैर संबंधी जटिलताओं की जांच, जोखिम स्तर का आकलन तथा आवश्यकता अनुसार उच्च केंद्र पर रेफरल किया जाएगा। प्रथम प्रकार के मधुमेह रोगियों की जांच साप्ताहिक मधुहारी चिकित्सालय में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को तथा द्वितीय प्रकार के मधुमेह रोगियों की जांच गैर संचारी रोग चिकित्सालय के माध्यम से प्रतिदिन की जाएगी। उन्होंने सभी मधुमेह रोगियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी गैर संचारी रोग चिकित्सालय अथवा जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ पहुंचकर इस निःशुल्क जांच सुविधा का लाभ अवश्य लें।

मेलोडी महज टॉफी नहीं बल्कि चीन के लिए रचा गया चक्रव्यूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया जब 'मेलोडी' (पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी) के मीम्स और सोशल मीडिया रील्स के शोर-शराबे में डूबी हुई थी, ठीक उसी वक्त पर्दे के पीछे एक बड़ा कूटनीतिक खेल खेला जा चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिन्होंने चीन की घेराबंदी पूरी तरह सेट कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से बीजिंग को बड़ा झटका लगा है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पहले द ग्रेट इटली डिवोर्स से हुई थी। कुछ साल पहले इटली, चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने वाला एकमात्र जी-7 देश बना था। हालांकि, जॉर्जिया मेलोनी ने सत्ता में आते ही चीन के इस कर्ज के जाल को पहचान लिया और इटली को आधिकारिक तौर पर इससे बाहर निकाल लिया। चीन को ठेंगा दिखाने के बाद इटली को एशिया में एक मजबूत और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार की तलाश थी, जो चीन की जगह ले सके। यहीं पर न्यू इंडिया की एंट्री हुई। मोदी और मेलोनी की शानदार केमिस्ट्री दरअसल दुनिया को एक सीधा संदेश है कि इटली अब अपनी पूरी एशियाई रणनीति को बीजिंग से हटाकर नई दिल्ली पर शिफ्ट कर रहा है।

वैश्विक व्यापार के नक्शे पर नजर डालें तो भारत के लिए इटली की भौगोलिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत जब अपना सामान, टेक्नोलॉजी और एनर्जी यूरोप के बाजारों में भेजना चाहता है, तो उसके लिए भूमध्य सागर ही सबसे मुख्य रास्ता है, जिसके केंद्र में इटली स्थित है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए इटली खुद को भारतीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित कर रहा है। इटली के बंदरगाहों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग बूम से जोड़कर दोनों देशों ने आने वाले 50 सालों की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है, जो चीन की ट्रेड दादागीरी को सीधी चुनौती है।

इसके अलावा, दशकों से तैयार हथियार खरीदने वाले भारत के साथ मेलोनी सरकार ने एक नया और स्मार्ट गेम शुरू किया है। इटली अब पीएम मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत की जमीन पर ही एडवांस रडार सिस्टम और मैरीटाइम डिफेंस जैसे क्षेत्रों में डिफेंस इक्विपमेंट्स का सह-उत्पादन करेगा। सोशल मीडिया पर दिखने वाली क्यूट और मजेदार मेलोडी सेल्फी तो सिर्फ एक पैकेजिंग है। इसके पीछे की असली हकीकत यह है कि यूरोप में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भारत को इटली की जरूरत है और चीन को आर्थिक व रणनीतिक टक्कर देने के लिए इटली को भारत का साथ चाहिए। दोनों देशों ने मिलकर ड्रैगन के खिलाफ जो चक्रव्यूह रचा है, उसने बीजिंग की रातों की नींद उड़ा दी है।

अभिषेक-इशान से आगे क्लासेन, कोहली नंबर 1

14 लीग मैचों के बाद RCB और हैदराबाद के टॉप-3 बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 67वां मैच हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेला गया और ये इस सीजन में दोनों टीमों का आखिरी लीग मैच भी था। इस मैच में आरसीबी को 55 रन से हार मिली, लेकिन इसके बावजूद ये टीम 18 अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर बनी रही जबकि हैदराबाद की टीम भी अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। ये दोनों टीमें प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन 14 लीग मैचों के बाद आरसीबी और हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-3 बैटर कौन-कौन रहे इसके बारे में जानते हैं।

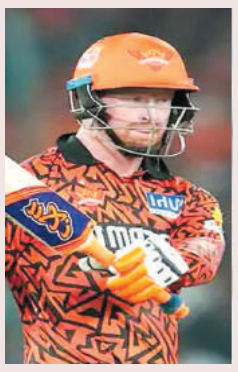

अभिषेक-इशान से आगे रहे क्लासेन

हैदराबाद टीम की बात करें तो 14 लीग मैचों के बाद आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर हेनरिक क्लासेन रहे। क्लासेन ने लीग मैचों में अपना जलवा बिखेरा और उन्होंने 14 मैचों में 606 रन 6 अर्धशतक की मदद से बनाए। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 69 रहा। इशान किशन इस मामले में दूसरे नंबर पर रहे जिन्होंने 14 मैचों में 569 रन बनाए और इस दौरान 6 अर्धशतक लगाए और उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा।

अभिषेक ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड, वैभव टॉप पर

नई दिल्ली। आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2026 के 67वें मैच में हैदराबाद के ओपनर बैटर अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेली और 20 गेंदों पर अर्धशतक भी लगाया। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 4 चौके भी जड़े। इन 5 छक्कों के दम पर उन्होंने अपना ही एक शानदार रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि शुभमन गिल के इस खास रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।

अभिषेक ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

अभिषेक ने आरसीबी के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 5 छक्के लगाए और आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर आ गए। अभिषेक ने आईपीएल 2026 में अब तक कुल 43 छक्के लगाए हैं जबकि साल 2024 में उन्होंने कुल 42 छक्के लगाए थे। यानी अभिषेक ने अपने रिकॉर्ड में सुधार कर लिया जबकि इस लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बैटर्स की लिस्ट में वैभव अभी 53 छक्कों के साथ पहले स्थान पर मौजूद हैं।

"विनेश फोगाट को ट्रायल में हिस्सा लेने दें"

दिल्ली हाई कोर्ट ने WFI को लगाई फटकार, कहा- किसी भी कीमत पर खेल का नुकसान नहीं हो

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर महिला पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 'अयोग्य' घोषित करने के फैसले के लिए शुक्रवार (22 मई) को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई और केंद्र को उनका मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'।

पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए। विनेश फोगाट मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करना चाहती हैं। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। अदालत ने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा, क्योंकि सरकारी वकील ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के नियम कुछ मामलों में पात्रता मानदंडों में छूट देते हैं।

एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती

अदालत ने मौखिक रूप से कहा, 'विशेषज्ञों से उसकी संभावनाओं का मूल्यांकन करने को कहें। यह सुनिश्चित करें कि वह भाग ले सके।' अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह दोपहर 2:30 बजे इस मामले पर फिर से सुनवाई करेगी ताकि सरकारी वकील टीम के गठन के संबंध में और अधिक जानकारी पेश कर सकें। अदालत फोगाट की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने 18 मई को एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी थी।

कारण बताओ नोटिस पर नाराजगी

वकील ने यह तर्क दिया कि नौ मई को गोंडा में एक घरेलू प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी से एक दिन पहले उनको कारण बताओं नोटिस दिया गया जिसे यह पता चलता है कि कोई उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकने के लिए कोशिश कर रहा है। अदालत ने कारण बताओ नोटिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए दावा किया कि पेरिस ओलंपिक में फोगाट की अयोग्यता 'राष्ट्रीय शर्म' की बात थी और सवाल उठाया कि यह क्यों नहीं माना जाना चाहिए कि डब्ल्यूएफआई ने उसके लिए चयन मानदंड बदल दिए थे।

डोपिंगरोधी नियमों के तहत अयोग्य घोषित

अदालत में आगे कहा, 'सर्कुलर में किए गए बदलाव से सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। इस तरह का व्यवहार न करें। यह खेलों के हित में नहीं है। पहले के सर्कुलर का पालन नहीं करना बहुत कुछ कहता है।' डब्ल्यूएफआई ने डोपिंगरोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए छह महीने की अनिवार्य नोटिस अवधि का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून, 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था।

चयन मानदंड में बदलाव

अदालत ने कहा, 'वह जुलाई 2025 में मां बनीं। अभी मई का महीना है। वह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान हैं। यह क्यों नहीं माना जा सकता कि आपने उनके लिए चयन मानदंड में बदलाव किया होगा? विवाद या मतभेद चाहे जो भी हो, खेल जगत को क्यों नुकसान होना चाहिए? देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है, क्या इसकी कीमत किसी व्यक्ति को भुगतनी चाहिए?'

विजय शंकर का संन्यास

2019 वर्ल्ड कप में अंबाती रायुडू की जगह चुने गए

9626 रन बनाए और 154 विकेट झटके

नई दिल्ली। इंग्लैंड में खेले गए 2019 वर्ल्ड कप में अंबाती रायुडू की जगह चुने गए विजय शंकर ने शुक्रवार (22 मई) को संन्यास ले लिया। तब भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने उन्हें 3डी प्लेयर बताया था। उन्होंने इसी वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैनचेस्टर में भारतीय टीम के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। पैर के अंगूठे की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा और फिर वह टीम में वापसी नहीं कर सके। विजय शंकर ने भारत का 2018 से 2019 तक 12 वनडे और 9 टी20 में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपने करियर में 9626 रन बनाए और 154 विकेट लिए। 35 साल के विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेने का कारण नए मौकों की तलाश और ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेलने को बताया। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने तमिलनाडु और 2025-2206 सत्र में त्रिपुरा का प्रतिनिधित्व किया। आईपीएल में विजय शंकर ने चार टीमों का प्रतिनिधित्व किया।

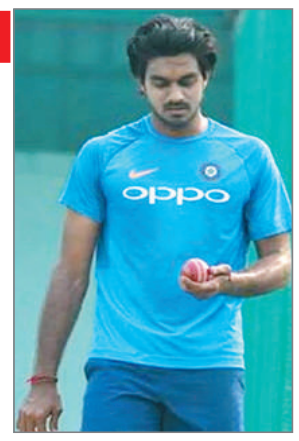

- **आईपीएल में 4 टीमों का प्रतिनिधित्व किया**- इसमें चेन्नई सुपर किंग्स (2014 और 2025), सनराइजर्स हैदराबाद (2017, 2019-2021), दिल्ली कैपिटल्स (2018) और गुजरात टाइटंस (2022-2024) शामिल है। वह मौजूदा सत्र में वह किसी टीम का हिस्सा नहीं थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज शंकर ने 2012 में अपने पदार्पण के बाद कुल 77 प्रथम श्रेणी, 112 लिस्ट ए और 159 टी20 मैच खेले। विजय शंकर ने प्रथम श्रेणी में 46.73 की औसत से 4,253 रन बनाए, जिनमें 13 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं, और 43 विकेट भी लिए।

विजय शंकर ने क्या कहा?

विजय शंकर ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए लिखा, 'क्रिकेट मेरी जिंदगी है। मैंने 10 साल की उम्र में खेलना शुरू किया और 25 साल बाद हर स्तर पर और उच्चतम स्तर तक खेलने के लिए आभारी और धन्य महसूस करता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे सबसे गौरवपूर्ण और खुशी के पलों में से एक रहेगा। मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है ताकि नए अवसरों की तलाश कर सकूं और क्रिकेट खेलना जारी रख सकूं। बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट टीम का मैं हमेशा आभारी रहूंगा। नागपुर में भारत के 500वें वनडे में आखिरी ओवर फेंकना और 2019 विश्व कप में पहली गेंद पर पहला विकेट लेना मेरे लिए अविस्मरणीय पल हैं।'

प्लेऑफ का गणित: 27 की रात में तय होगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (IPL 2026) का लीग स्टेज आखिरी पड़ाव पर है। चार मैच बाकी हैं और 27 मई की रात में आखिरी मैच में यह तय होगा कि प्लेऑफ में जगह बनाने वाली चौथी टीम कौन होगी। रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं। राजस्थान रॉयल्स के 14 अंक हैं और वह एकमात्र टीम है जो 16 अंक तक पहुंच सकती है। उसे अपना आखिरी लीग मैच 27 मई को दिन के दूसरे मुकाबले में खेलना है। यही कारण है कि आखिरी लीग स्टेज मैच तक प्लेऑफ की चौथी टीम तय नहीं होगी।

'तुम्बाड' के दूसरे पार्ट में होगा आलिया भट्ट का कैमियो, तीसरे भाग में निभाएंगी लीड रोल

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी ।

ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

फिल्मों के चयन को लेकर सलमान खान का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

इस तरह से फिल्में चुनते हैं सलमान

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

सलमान की पाइपलाइन में बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

संक्षिप्त समाचार

कलबुर्गी में भीषण सड़क हादसा, कार और लॉरी की टक्कर में पांच की मौत

वायनाड, एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया।

जहां लाडजापुर के पास एक चार-पहिया वाहन की लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पांचों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। कर्नाटक पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में लाडलापुर के पास एक क्रूजर गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो जाने के बाद पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए. श्रीनिवासुलु ने घटनास्थल का दौरा किया और दुर्घटना के कारणों का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि एक महीने पहले कर्नाटक के यादगिरी इलाके में एक कार की बस से टक्कर हो जाने के बाद सात लोगों की मौत हो गई थी और दो बच्चे घायल हो गए थे। कार में सवार सभी यात्री एक ही परिवार के थे और रायचूर के सिरवार तालुक के रहने वाले थे।यादगिरी के पृथ्वीक शंकर ने बताया कि यह दुर्घटना यादगिरी जिले में, सुरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, कार एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश में सामने से आ रही बस से टकरा गई। शंकर ने कहा, 'हमने पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत ले ली है और हम मामले की जांच कर रहे हैं।'

बांद्रा स्टेशन के पास सभी अवैध निर्माण किए गए ध्वस्त

मुंबई, एजेंसी। रेलवे ट्रैक के किनारे अतिक्रमणों को हटाने के लिए पश्चिमी रेलवे द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के चौथे दिन शुक्रवार को बांद्रा स्टेशन के पास गरीब नगर में सभी अनाधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने कहा कि 19 मई से अब तक लगभग 500 अवैध झुग्गियों को हटाया जा चुका है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले इस बेदखली अभियान को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बांबे हाई कोर्ट ने अधिकारियों को 100 ढांचों को पूरी तरह से न गिराने का निर्देश दिया था। इसलिए, इन झुग्गियों के भूतल को बरकरार रखा गया है, जबकि ऊपरी मंजिलों को गिराया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और ऊपरी मंजिलों को गिराने का शेष काम शनिवार दोपहर तक पूरा होने की उम्मीद है। पश्चिमी रेलवे के अनुसार, ध्वस्त इमारतों का मलबा साथ-साथ हटाया जा रहा है और निर्धारित निपटान स्थलों पर ले जाया जा रहा है। अभिषेक ने बताया कि स्थल पर बाड़ लगाने और बैरिकेडिंग का काम भी शुरू हो गया है।

बदल गया हिमाचल प्रदेश का मौसम, शिमला-मनाली हुआ कूल-कूल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कई दिनों से भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहे हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में सुबह से तेज हवाएं चलती रहीं और हल्की बारिश हो रही है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बादलों के बरसने और ठंडी हवाएं चलने से लोगों ने राहत की सांस ली। पिछले तीन दिनों से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा था और लोग बारिश का इंतजार कर रहे थे। शिमला में सुबह आसमान में बादल छाए रहे और कई जगह हल्की बारिश हुई। तेज हवाओं के कारण मौसम ठंडा हो गया। पिछले कल शिमला का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। जो सामान्य से करीब पांच डिग्री ज्यादा था।

साइबर सिटी में ड्रोन से होगा ट्रैफिक जाम का सर्वे, समस्या के वास्तविक कारणों की स्टडी की जाएगी

गुरुग्राम, एजेंसी। ट्रैफिक जाम से जूझ रही साइबर सिटी में ड्रोन से ट्रैफिक का सर्वे किया जाएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त सड़कों और जाम प्रभावित क्षेत्रों का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया जाएगा। इसके जरिए ट्रैफिक मूवमेंट, वाहन दबाव और जाम के वास्तविक कारणों की स्टडी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार ड्रोन सर्वे के दौरान सड़क पर वाहनों की संख्या, ट्रैफिक फ्लो, कट और यू-टर्न की स्थिति, सिग्नल संचालन तथा भीड़भाड़ के समय का विश्लेषण किया जाएगा। ड्रोन से मिलने वाले रियल टाइम डेटा के आधार पर यह समझने में मदद मिलेगी कि किन स्थानों पर ट्रैफिक सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है और वहां किस प्रकार के सुधार की जरूरत है।

जीएमडीए की स्टडी में खासतौर पर साइबर सिटी, गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, दिल्ली-जयपुर हाईवे,ओल्ड व न्यू रेलवे रोड, ओल्ड दिल्ली रोड और उनसे जुड़े आंतरिक मार्गों को शामिल किया जाएगा। इन क्षेत्रों में सुबह और शाम के समय भारी ट्रैफिक दबाव रहता है, जिससे लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है।

सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ट्रैफिक सुधार के लिए शार्ट टर्म और लांग टर्म प्लान तैयार किए जाएंगे। जाम वाले प्वाइंट पर सिग्नल टाइमिंग में बदलाव, यू-टर्न व्यवस्था सुधारने, सड़क डिजाइन संशोधित करने और ट्रैफिक डायवर्जन जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। जीएमडीए इस

स्टडी को ट्रैफिक पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे शहर में ट्रैफिक प्रबंधन को और बेहतर किया जा सकेगा। गोल्फ कोर्स रोड, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो जंक्शन, सेक्टर 27-29-43-44 जंक्शन बख्तावर चौक, ओल्ड दिल्ली रोड, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड रेलवे रोड, राजीव चौक, राजीव चौक से सोहना चौक, झाड़सा चौक, सेक्टर 29 रोड, सेक्टर 44 रोड, गैलेरिया रोड, 953 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क शहर के दायरे में है। 20 से ज्यादा चौराहों और सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। 8 बजे सुबह से 11 बजे और शाम को पांच बजे से दस बजे तक ट्रैफिक जाम लगता है। 200 से ज्यादा चौराहों और सड़कों को जीएमडीए ने सुधारने की योजना है। 2031 तक शहर की आबादी 42.5 लाख होने का अनुमान है। 75 प्रतिशत चौराहों पर पीक आवर में जाम 75 फीसदी से अधिक इंटरसेक्शन पर पीक आवर में जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे यात्रियों का समय बर्बाद होता है। ईंधन की बर्बादी होती है।

बिजली की खपत ने मई में ही तोड़ा जून का रिकॉर्ड, 2500 एमवीए तक पहुंचने का अनुमान

साहिबाबाद, एजेंसी। बीते वर्ष जून में हुई बिजली की खपत का रिकॉर्ड इस बार मई में ही टूट गया है। 21 मई को जिले में बिजली की खपत 2100 एमवीए (मेगा वोल्ट एंपीयर) दर्ज की गई। जबकि इतनी खपत बीते वर्ष जून में हुई थी, जो उस वर्ष की अधिकतम थी।

इस बार जून में बिजली की खपत 2500 एमवीए तक पहुंचेगी। वहीं, जिले की बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मई 2025 में बिजली की अधिकतम खपत 1841 एमवीए पहुंची थी, लेकिन इस बार अभी तक 259 एमवीए अधिक है। अभी इस माह में एक सप्ताह बाकी है। इस दौरान गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत बढ़ने के भी आसार हैं। पारेषण विभाग के अधिकारियों की मानें तो जून में भीषण गर्मी पड़ने से बीते वर्ष के मुकाबले यह आंकड़ा करीब 400 एमवीए अधिक रहने वाला है। यानी करीब 2500 एमवीए तक बिजली की खपत पहुंच जाएगी। इसके बाद जुलाई में गर्मी कम होने के साथ ही खपत में गिरावट आनी शुरू हो जाएगी। जिले में पारेषण की क्षमता 3338 एमवीए है। इसके सापेक्ष अधिकतम लोड 62 प्रतिशत तक पहुंचा है। इतने पर ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह से दम तोड़ दिया है।

सीएम शुभेंदु के दिल्ली दौरे के बाद केंद्र ने खोला खजाना, बंगाल में विकास योजनाओं के लिए 39 हजार करोड़ मंजूर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पहले दिल्ली दौरे के बाद केंद्र सरकार ने राज्य के विकास के लिए बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के तहत रुकी हुई योजनाओं के लिए 39,000 करोड़ रुपये जारी करने पर सहमति बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु ने बताया कि केंद्र ने बंगाल के आर्थिक विकास, उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान केंद्रीय प्रोजेक्ट्स को लागू करने में मदद का भी भरोसा दिया, जिनमें से कई ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत रुके हुए थे। शुभेंदु अधिकारी ने एक पोस्ट में लिखा, 'हमारी सार्थक चर्चा के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास के अपने दृष्टिकोण पर फिर से जोर दिया और दोहराया कि बंगाल का विकास केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें बंगाल को आर्थिक विकास, औद्योगिक पुनरुद्धार और युवा सशक्तिकरण के पथ पर अग्रसर करने के लिए हर संभव सहायता, मार्गदर्शन और केंद्रीय समर्थन का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही, राज्य में आयुष्मान भारत और ग्रामीण रोजगार जैसी केंद्रीय योजनाओं को तेज गति से लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। 1 जुलाई से हर ग्रामीण परिवार को 125 दिन की सैलरी वाली नौकरी देने वाली शुरुआत हो जाएगी।

एसआईटी ने दाखिल की 1500 पन्नों की पहली चार्जशीट, कई दस्तावेज जब्त

मुंबई, एजेंसी। नासिक पुलिस ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक यूनिट से जुड़े यौन उत्पीड़न मतांतरण मामले में आरोपितों के खिलाफ शुक्रवार को 1,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। आरोपितों के खिलाफ कुल नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से फिलहाल सिर्फ एक मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है।

नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक की टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पीड़िता के जबरन मतांतरण से संबंधित सुबूतों का पता लगाया है, एक ऐसा कृत्य जिसने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। पुलिस ने आरोपितों द्वारा पीड़िता का नाम और पहचान बदलने के लिए इस्तेमाल किए गए मूल दस्तावेज भी जब्त कर लिए हैं। इसके अलावा, पीड़िता और आरोपितों दोनों के मोबाइल फोन से प्राप्त वाट्सएप चैट स्क्रीनशाट के रूप में डिजिटल और तकनीकी साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। आरोपपत्र में दानिश एजाज शेख, तौसीफ बिलाल अत्तार, निदा एजाज खान और मतीन मजीद पटेल को आरोपित बनाया गया है। इनमें से किसी को भी जमानत नहीं मिली है। आरोपपत्र नासिक रोड स्थित अतिरिक्त सत्र एवं विशेष न्यायालय में दायर की गई।

नासिक यौन शोषण मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने टाटा

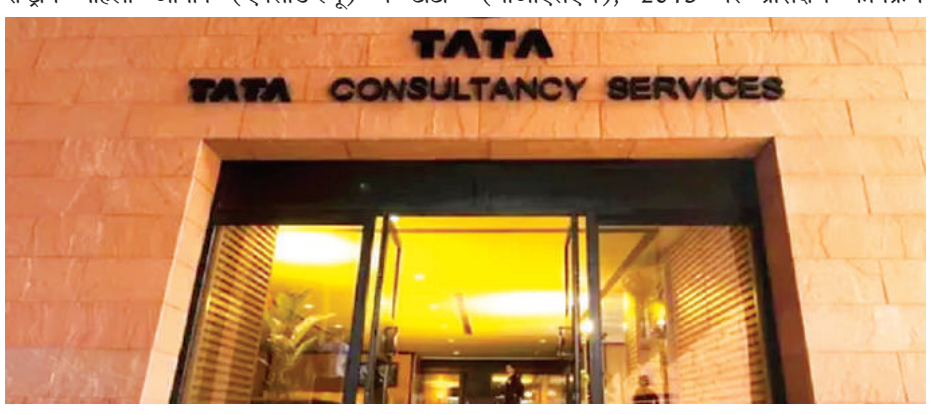

कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कंपनी को निर्देश दिया कि वह अपने सभी 127 यूनिटों में चार सप्ताह के भीतर यौन उत्पीड़न रोकथाम के लिए आंतरिक समितियां गठित करे। आयोग की प्रमुख विजया राहटकर की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई सुनवाई में कंपनी को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम (पीओएसएच), 2013 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय करते हुए आयोग ने कंपनी को संबंधित अधिकारियों को वार्षिक पीओएसएच रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करने के लिए कहा और अगली समीक्षा कार्यवाही के दौरान अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी।

भारत का बढ़ा गौरव: मेजर अभिलाषा बराक को मिला बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मान; लेबनान में महिलाओं की मदद बनी मिसाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने भारत की मेजर अभिलाषा बराक को साल 2025 के प्रतिष्ठित 'संयुक्त राष्ट्र सैन्य लिंग अधिवक्ता पुरस्कार' के लिए चुना है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के लिए किए गए उत्कृष्ट काम के लिए दिया जा रहा है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण माना जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक इस समय लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल यानी यूएनआईएफआईएल में भारतीय बटालियन के साथ तैनात हैं। वह वहां महिला सहभागिता टीम (एफईटी) की कमांडर के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने स्थानीय महिलाओं और लड़कियों के साथ जुड़कर उनकी समस्याओं को समझने, उन्हें जागरूक करने और उनकी सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम किया। इसके अलावा उन्होंने शांति सैनिकों को लिंग संवेदनशीलता यानी महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर प्रशिक्षण भी दिया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मेजर अभिलाषा बराक को महिलाओं और किशोरियों के साथ सामुदायिक जुड़ाव और शांति सैनिकों को जेंडर प्रशिक्षण देने के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। मेजर अभिलाषा बराक भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं। अब उन्हें 29 मई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। यह दिन हर साल 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भारत के लिए खास बात यह भी है कि इस सम्मान को पाने वाली अभिलाषा बराक तीसरी भारतीय अधिकारी बन गई हैं।

ट्रंप से बदला लेने की फिराक में ईरान, इवांका की हत्या की साजिश रचने का दावा, आईआरजीसी से जुड़ा आरोपी गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को निशाना बनाने की कथित साजिश ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। दावा किया गया है कि ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की योजना बनाई गई थी। इस मामले में गिरफ्तार इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल-सादी पर आरोप है कि वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी से जुड़ा हुआ था और ट्रंप परिवार से बदला लेना चाहता था।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अल-सादी के पास इवांका ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला था। बताया जा रहा है कि यह कथित साजिश ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में हुई मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

आखिर इवांका ट्रंप को निशाना बनाने का आरोप क्यों लगा

रिपोर्ट के मुताबिक मोहम्मद अल-सादी ट्रंप परिवार के खिलाफ बदले की भावना रखता था। दावा किया गया है कि कासिम सुलेमानी की मौत के बाद वह लोगों से कहता था कि 'ट्रंप ने हमारा घर जलाया है, इसलिए हमें इवांका को मारना होगा।' सूत्रों के अनुसार उसके पास फ्लोरिडा में

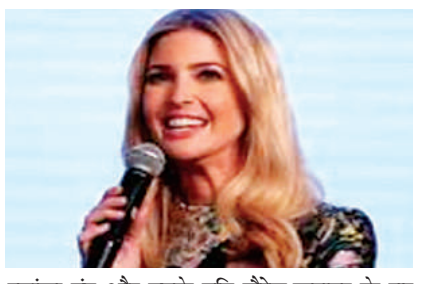

इवांका ट्रंप और उनके पति जैरेड कुशनर के घर से जुड़ी जानकारी और नक्शा भी मौजूद था। सोशल मीडिया पर उसने फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा साझा किया था, जहां इवांका का घर स्थित है। साथ ही उसने अरबी भाषा में धमकी भरा संदेश भी लिखा था, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां भी उन्हें नहीं बचा पाएंगी। इस घटना के बाद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है।

गिरफ्तार आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगे हैं 32 वर्षीय मोहम्मद अल-सादी को 15 मई को तुर्किये में गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के बाद उसे अमेरिका लाया गया।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों की कोशिशों का आरोप।

जांच एजेंसियों का दावा है कि वह अमेरिका और यहूदी समुदाय से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाने में शामिल था।

एम्स्टर्डम में बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन पर फायरबॉम्ब हमले में नाम जुड़ा।

लंदन में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमले का आरोप।

टोरंटो स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर गोलीबारी में कथित भूमिका।

बेल्जियम के लीज शहर में यहूदी उपासना स्थल पर बम धमाके से नाम जुड़ा।

रॉटरडैम में धार्मिक स्थल में आगजनी के आरोप भी लगे। कई अन्य अंतरराष्ट्रीय आतंकी गतिविधियों और हमलों की साजिश में शामिल होने की जांच जारी है। रिपोर्टों के मुताबिक अल-सादी को आईआरजीसी और काताइब हिजबुल्लाह जैसे संगठनों से जुड़ा बताया गया है। दावा किया गया कि वह बचपन में तेहरान भेजा गया था, जहां उसने आईआरजीसी से प्रशिक्षण लिया। बाद में उसने धार्मिक यात्राओं से जुड़ी ट्रैवल एजेंसी शुरू की, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर दुनिया भर में आतंकी नेटवर्क से संपर्क बनाने के लिए किया गया।

अंतरिक्ष में मौसम का बड़ा रहस्य, 2690 प्रकाशवर्ष दूर ग्रह पर बनते-बिखरते दिखे बादल

वॉशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक ऐसे दूरस्थ ग्रह का पता लगाया है, जहां मौसम का बेहद अनोखा तंत्र काम करता है। पृथ्वी से करीब 2690 प्रकाशवर्ष दूर स्थित इस विशाल एक्सोप्लैनेट यानी सौरमंडल के बाहर मौजूद ग्रह पर घने बादल बनते और खत्म होते देखे गए हैं। खास बात यह है कि ग्रह के अंधेरे हिस्से में बादल बनते हैं और फिर तेज हवाएं उन्हें रोशनी वाले हिस्से तक ले जाकर खत्म कर देती हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से वैज्ञानिकों ने पहली बार इतने दूर मौजूद किसी ग्रह पर मौसम की इस प्रक्रिया को विस्तार से समझा है। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह खोज अंतरिक्ष विज्ञान और ग्रहों के अध्ययन में बड़ा कदम साबित हो सकती है।

आखिर वैज्ञानिकों ने इस ग्रह पर क्या खोजा

वैज्ञानिकों ने एक्सोप्लैनेट डब्ल्यूएएसपी-94 ए बी का अध्ययन किया। यह ग्रह अपने

तारे डब्ल्यूएएसपी-94 ए के सामने से गुजरता है। इसी दौरान वैज्ञानिकों ने ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरने वाली रोशनी का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि ग्रह के अलग-अलग हिस्सों से आने वाली रोशनी में अंतर दिखाई दे रहा था। खगोलशास्त्री सैगनिक मुखर्जी के नेतृत्व में हुई इस रिसर्च में पता चला कि ग्रह का जो हिस्सा पहले तारे के सामने आता है, वहां घने बादल मौजूद थे। वहीं, रोशनी वाले हिस्से में ये बादल खत्म हो जाते थे। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रह पर चलने वाली तेज हवाएं इन बादलों को एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ले जाती हैं।

बादलों की यह प्रक्रिया इतनी अहम क्यों मानी जा रही

वैज्ञानिकों के अनुसार यह खोज केवल मौसम तक सीमित नहीं है। इससे ग्रह की रासायनिक संरचना और उसके निर्माण के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। रिसर्च में कहा गया है कि अगर दिन और रात वाले हिस्सों के इस अंतर को नजरअंदाज कर दिया जाता, तो वैज्ञानिक गलत निष्कर्ष तक पहुंच सकते थे। उन्हें ऐसा लग सकता था कि ग्रह के दिन वाले हिस्से में धुंध जैसी परत बनी हुई है। इससे ग्रह के वातावरण की पूरी तस्वीर बदल सकती थी। इसलिए यह अध्ययन वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के लिए एक्सोप्लैनेट्स को सीधे देख पाना आसान नहीं होता। आमतौर पर इन ग्रहों का पता तब चलता है जब वे अपने तारे के सामने से गुजरते हैं। उस समय तारे की रोशनी थोड़ी कम हो जाती है। वैज्ञानिक उसी बदलाव का अध्ययन करते हैं। इस प्रक्रिया में ग्रह तारे की कुल रोशनी का केवल लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा ही रोक पाता है। उसमें से भी बहुत कम रोशनी ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरती है। यही वजह है कि ऐसे संकेत बेहद कमजोर होते हैं और उन्हें समझने के लिए अत्याधुनिक तकनीक की जरूरत पड़ती है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने इसी मुश्किल काम को संभव बनाया है।

शिपयार्ड बना आग का गोला: लगातार दो धमाकों ने मचाई तबाही, एक व्यक्ति की मौत व 36 घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के एक शिपयार्ड में शुक्रवार को लगी आग और दो विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में घायल हुए 36 लोगों में अधिकतर दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन सेवाकर्मी हैं। एक आम नागरिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिस समय दूसरा विस्फोट हुआ दो दमकलकर्मी इमारत के अंदर थे जिससे कि वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने शुक्रवार शाम को संवाददता सम्मेलन में कहा, हालात बेहद जटिल है और स्थिति लगातार बदल रही है। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी लिलियन बोनसिन्योर ने बताया कि अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई और बताया गया कि शिपयार्ड के पिछले हिस्से में एक तहखाने में दो मजदूर फंसे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, सात की मौत के बाद सेना तैनात

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके सिल्विया में दो आदिवासी समुदायों के बीच जमीन विवाद हिंसक हो गया। इस संघर्ष में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने 500 से अधिक सैनिकों और हवाई सहायता को इलाके में तैनात किया है। संघर्ष मिसाक और नासा आदिवासी समूहों के बीच हुआ, जो एक ही जमीन पर अपना दावा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी मामले पर चिंता जताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है। इलाके में पूर्व फार्क विद्रोही गुटों समेत कई अवैध सशस्त्र संगठन सक्रिय हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

तुर्किये की विपक्षी पार्टी में बढ़ा सत्ता संघर्ष, अदालत के फैसले से सियासत गरमाई

अंकारा, एजेंसी। तुर्किए की मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी में नेतृत्व संकट गहरा गया है। अंकारा की अपील अदालत ने 2023 में हुए पार्टी सम्मेलन को रद्द कर दिया, जिसमें ओजेल को नया अध्यक्ष चुना गया था। अदालत के फैसले के बाद पूर्व अध्यक्ष कीमेल को अंतरिम रूप से फिर जिम्मेदारी दी गई है। विपक्ष ने इस फैसले को राजनीतिक साजिश बताया है। दूसरी ओर तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार का कहना है कि अदालत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम पहले से भ्रष्टाचार मामले में जेल में हैं।

गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को कोर्ट से राहत, मानव तस्करी का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के खिलाफ मानव तस्करी से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। गार्सिया का मामला तब चर्चा में आया था जब उन्हें गलती से अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई 'प्रतिशोधात्मक' हो सकती है। जज क्रेनशॉ ने कहा कि अगर गार्सिया ने अपने निर्वासन को चुनौती देने वाला मुकदमा नहीं जीता होता तो सरकार उनके खिलाफ यह मामला नहीं लाती। गार्सिया पर आरोप था कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को वाहन से ले जाने के बदले पैसे लेते थे। हालांकि 2022 में ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया था। ट्रंप प्रशासन अब भी उन्हें किसी तीसरे देश भेजने की तैयारी में है।

चीन की कोयला खदान में धमाका

बीजिंग, एजेंसी। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 मजदूर अब भी भूमिगत फंसे हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार यह हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लियूशेनयू कोयला खदान में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के समय खदान में करीब 247 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से 201 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने हादसे की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। शांक्सी प्रांत चीन का प्रमुख कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है। पिछले साल यहां करीब 1.3 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ था, जो चीन के कुल उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है।

आरोन लुकास बनेंगे अमेरिका के नए कार्यवाहक खुफिया प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी खुफिया जिम्मेदारी में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस अहम बदलाव की घोषणा खुद देश के शीर्ष नेता ने की है। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने देश की खुफिया एजेंसियों के नेतृत्व को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी पूरी दुनिया के साथ साझा की है और नए अधिकारी के नाम का भी ऐलान कर दिया है। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। वह आने वाली 30 जून को अपना पद पूरी तरह छोड़ देंगी। यह फैसला उन्होंने किसी राजनीतिक कारण से नहीं, बल्कि एक दुखद पारिवारिक स्थिति की वजह से लिया है। उनके पति इब्राहिम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर (बोन कैंसर) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी का पता चला है। ऐसे मुश्किल समय में अपने पति का साथ देने और उनके इलाज में मदद करने के लिए गबार्ड ने यह बड़ा पद छोड़ने का मन बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपना इस्तीफा साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पति के साथ रहना ही उनके लिए सबसे जरूरी है।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से इस्तीफा दिया, अचानक लिया फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक रिपोर्ट में दी गई है, जिसमें उनके इस्तीफे के पत्र का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ट्रंप को अपने पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है जो 30 जून से प्रभावी होगा।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे के पत्र में डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी ओर से जताए गए भरोसे और पिछले डेढ़ साल तक राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, गबार्ड ने इस्तीफे की वजह अपने पति को हाल ही में हुई हड्डियों के कैंसर की दुर्लभ बीमारी का पता चलना बताया है।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैंने इस्तीफा दिया है जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा। मेरे पति अब्राहम का हाल ही में हड्डी के कैंसर का बेहद दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। आने वाले हफ्तों और महीनों में उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय मुझे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर उनके साथ रहना है और इस लड़ाई में उन्हें पूरा सहयोग देना है।

तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर क्या बोले ट्रंप : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'दुर्भाग्य से, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर का दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। वे सही मायने में उनके साथ रहना चाहती हैं ताकि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य वापस दिला सकें। वे इस कठिन लड़ाई को साथ मिलकर लड़ रहे हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि वह जल्द ही पहले से भी बेहतर हो जाएंगे।' उन्होंने कहा कि तुलसी ने अद्भुत काम किया है और हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। उनके बेहद सम्मानित प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस, एरॉन लुकास अब एक्टिंग डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस के रूप में कार्य करेंगे।

तुलसी गबार्ड के बारे में जानिए : तुलसी गबार्ड का जन्म 12 अप्रैल 1981 को अमेरिकन समोआ में हुआ था। उन्होंने हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद उन्हें 2025 में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बनाया गया। तुलसी गबार्ड का भारत से सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है, क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि उनका हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं और उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कृत नाम दिए। तुलसी नाम हिंदू धर्म में पवित्र पौधे से जुड़ा है।

भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित : तुलसी गबार्ड बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित रही हैं। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने शपथ भी भगवद गीता पर ली थी। भारत के साथ उनके रिश्ते राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर मजबूत रहे हैं। उन्होंने कई बार भारत का दौरा किया और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की वकालत की। 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवद गीता की प्रति भेंट की थी। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में भी खुलकर सामने आई थीं। मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग पर भारतीय अधिकारियों से चर्चा की थी। हिंदू पहचान और भारत के प्रति सकारात्मक रुख के कारण भारत में भी उनकी काफी चर्चा होती रही है।

सेलिब्रिटी बना 700 किलो का 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा, सेल्फी की मची होड़!

ढाका, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बांग्लादेश में एक बेहद दुर्लभ 'एल्बिनो' (सफेद) भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे सुनहरे बालों वाले इस 700 किलो के भैंसे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नेटिजंस के बीच भी इस अनोखे भैंसे के वीडियो और तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं, क्योंकि आमतौर पर भारत और उपमहाद्वीप में काले रंग के ही भैंसे पाए जाते हैं। ऐसे में इस दुर्लभ प्रजाति को देखना पशुपालकों और आम जनता के लिए भी कौतूहल का विषय बन गया है। हालांकि कुछ ही दिनों में इस भैंसे की गर्दन कटने वाली है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम और खास लुक का राज : राजधानी ढाका के पास नारायणगंज जिले के एक फार्म में पले इस भैंसे का लुक काफी अनोखा है। इसका शरीर क्रीम रंग का है और नाक गुलाबी है। सबसे खास बात इसके माथे पर मौजूद सुनहरे बालों का गुच्छा है, जो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेडमार्क हेयरस्टाइल जैसा दिखता है। इसी समानता के कारण फार्म मालिक के परिवार ने इसका नाम ही 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया। इसकी एक झलक पाने और इसके साथ सेल्फी लेने के लिए दूर-दूर के जिलों से लोग फार्म पर पहुंच रहे हैं।

शांत स्वभाव और वीआईपी केयर : आमतौर पर भैंसे अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, लेकिन यह एल्बिनो भैंसा इसके बिल्कुल उलट है। फार्म मालिक के मुताबिक, यह जानवरों की एक बेहद शांत प्रजाति है। 'इसका रूप भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन यह स्वभाव से बहुत शांत है। यह एक एल्बिनो भैंसा है और इस तरह के जानवर तब तक उग्र नहीं होते जब तक उन्हें उकसाया या परेशान न किया जाए।' ईद के त्योहार से पहले इसे पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए इसकी खास देखभाल की गई। इसे दिन में चार बार नहलाया जाता था और चार बार विशेष चारा दिया जाता था। फिलहाल इस भैंसे को कुर्बानी के लिए एक ग्राहक को सौंप दिया गया है। बता दें कि बकरीद यानी ईद-उल-अजहा 28 मई, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इसी दिन इस भैंसे की कुर्बानी होगी। मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश में पिछले कुछ सालों से ईद-उल-अजहा के दौरान एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। विशालकाय जानवरों की मांगः लोग सामान्य से कहीं ज्यादा वजन और ऊंचाई वाले जानवरों को खरीदना पसंद करते हैं। सेलिब्रिटी के नामः खरीदारों को आकर्षित करने और मार्केटिंग के लिए जानवरों के नाम मशहूर राजनेताओं, खिलाड़ियों या फिल्मी सितारों पर रखे जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की कोशिश नाकाम, आईआरजीसी ने रची थी साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक आतंकवादी ने उनकी हत्या की कोशिश की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पकड़े गए मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या करने की कमस खाई थई। उसके पास उनके फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला है। यह साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

इराकी नागरिक अल-सादी को सुलेमानी की मौत का गहरा सदमा था और वह उसे अपने पिता समान मानता था। वाशिंगटन में इराकी दूतावास के पूर्व उप सैन्य अताशे इंतिफाद कनबर ने बताया, 'कासिम की मौत के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका को मारना होगा ताकि ट्रंप के घर को वैसे ही जलाया जा सके जैसे उसने हमारे घर को जलाया था।' अल-सादी ने एक्स फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा भी पोस्ट किया था जहां इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर का 24 मिलियन डॉलर का घर है। अरबी में लिखी अपनी पोस्ट में उसने धमकी देते हुए लिखा, ''अमेरिकियों इस तस्वीर को देखो और जान लो कि न तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हें बचा पाएगी। हमारा बदला बस समय की बात है।' अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह रूस जाने की फिराक में था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों के आरोप हैं। जांच में पता चला है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का सर्विस पासपोर्ट था। यह एक विशेष यात्रा दस्तावेज है जो केवल इराक के प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को जारी किया जाता है। इस पासपोर्ट की मदद से उसे हवाई अड्डों पर वीआईपी लाउंज और सुरक्षा जांच में छूट मिलती थी, जिससे वह आसानी से उन देशों के वीजा हासिल कर लेता था जहां उसने हमलों की योजना बनाई थी।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे। अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है। क्यूबा का अमेरिका पर आरोप वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

सामूहिक विरोध प्रदर्शन : क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।

लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात : वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश : इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था।

उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। क्यूबा एक विफल देश है। हर कोई यह जानता है। उनके पास बिजली नहीं है, उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास वास्तव में कुछ भी नहीं है। उनके पास भोजन नहीं है। और हम उनकी मदद करेंगे। मैं सबसे पहले, मानवीय आधार पर उनकी मदद करना चाहता हूं।

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले-अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं।

कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप : विदेशी मीडिया रिपोर्ट अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा।

व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट : इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से 'सीबीएस न्यूज' ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने 'मेमोरियल डे वीकेंड' की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध इमिग्रेशन को हिंसक अपराध से जोड़ा, शरणार्थी शहर नीतियों की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के उपनगरीय इलाके में एक रैली के दौरान शरण देने वाले शहरों की नीतियों और अवैध आप्रवासन (इमिग्रेशन) की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन किया और अपने प्रशासन के आर्थिक एजेंडे पर भी प्रकाश डाला। शुक्रवार को रॉकलैंड कम्युनिटी कॉलेज के यूजीन लेवी फील्डहाउस में बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर उच्च करों और अपराध के जरिए व्यवसायों और करदाताओं को न्यूयॉर्क से बाहर धकेलने का आरोप लगाया। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'कंपनियां जा रही हैं, अमीर लोग जा रहे हैं। अगर न्यूयॉर्क अपना टैक्स आधार खोता रहेगा तो वह कभी पहले जैसा नहीं रह पाएगा। राष्ट्रपति ने शरण देने वाले शहरों की नीतियों की बार-बार आलोचना की और अवैध आप्रवासन को हिंसक अपराध से जोड़ा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में शिकागो में मारे गए न्यूयॉर्क के 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेरिडन गोरमन के परिवार को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा की मां जेसिका गोरमन ने कहा, 'मेरी प्यारी बेटी शेरिडन ग्रेस गोरमन की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह शिकागो में अपने दोस्तों के साथ अपने कैंपस से कुछ ही ब्लॉक दूर एक घाट पर टहल रही थी। शेरिडन के पिता टॉम गोरमन ने इस हत्या के लिए आव्रजन संबंधी विफलताओं और शरण कानूनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'अवैध आव्रजन अलग है। आपराधिक अवैध आव्रजन अलग है। सीमाएं मायने रखती हैं, कानून मायने रखते हैं और प्रवर्तन मायने रखता है। ट्रंप ने संदिग्ध को 'एक अवैध अप्रवासी राक्षस' बताया और कहा कि उसे इस देश में कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने कहा, 'न्यूयॉर्क राज्य ने ऐसा बजट पारित किया है, जिसमें संघीय आव्रजन प्रवर्तन में बाधा डालने और इसे एक घातक शरण राज्य बनाए रखने के प्रावधान शामिल हैं।' राष्ट्रपति ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपने अभियान को दोहराया और मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण तथा डाक के जरिए मतदान पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। ट्रंप ने कहा, 'जरा सोचिए, मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण और डाक द्वारा मतपत्र भेजना लगभग खत्म हो गया है, सिवाय उन परिस्थितियों के जब इसकी वास्तव में जरूरत हो। रैली में आव्रजन, टैक्स और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होती रही। ट्रंप ने लॉमेकर माइक लॉलर की राज्य और स्थानीय कर छूट (एसएएलटी) को बहाल करने में मदद करने के लिए प्रशंसा की।

यूएन सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना परम आवश्यक है – महासचिव

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने कहा है कि दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल करने वाली 'महाशक्तियों' को रोकने के लिए यह ज़रूरी है कि परिषद का विस्तार हो ताकि उसे वर्तमान दौर की वास्तविकताओं के अनुरूप आकार दिया जाए सके. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश, जापान और यूएन के बीच पारस्परिक सहयोग के 70 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के अन्तिम पड़ाव में हैं, जहाँ उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

महासचिव गुटेरेश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों की लम्बित मांग को फिर से दोहराया. उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर समस्याओं के हल ढूंढने का मौजूदा तंत्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद व अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, उतने कारगर नहीं हैं, जितना कि इस चुनौतीपूर्ण क्षण में उन्हें होना चाहिए.यूएन प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि जिस सुधार की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता है, वह यूएन सुरक्षा परिषद का सुधार है.वैधता की समस्या15 सदस्य देशों वाली यूएन सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य हैंः चीन, फ़्राँस, ब्रिटेन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनके पास वीटो अधिकार भी हैं. वहीं, 10 अस्थाई सदस्य देशों को दो वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है.

महासचिव गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की पैरवी करते हुए कहा कि परिषद में केवल एक एशियाई देश को शामिल किया गया है, जबकि उस महाद्वीप पर दुनिया की लगभग 50 फ़ीसदी आबादी बसी है. इसके अलावा, किसी भी अफ़्रीकी या लातिन अमेरिकी देश को सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है. 'यह वैधता और कारगर न हो पाने की एक गम्भीर समस्या है, और यह परम-आवश्यक है कि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाना भी, ताकि सुरक्षा परिषद को वर्तमान विश्व की वास्तविकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके.

'उन्होंने एक ऐसी बहुपक्षवादी प्रणाली पर बल दिया, जोकि पहले से कहीं अधिक न्यायसंगत हो, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की बेहतर ढंग से रक्षा करने में सक्षम हो, और देशों की जवाबदेही तय कर सके.यूएन प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, शान्ति, सतत विकास व मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक अति-आवश्यक, अपने आप में अनूठा बैठक स्थल है, लेकिन यह उतना ही मज़बूत हो सकता है, जितना सदस्य देश इसके लिए प्रतिबद्ध हों.बुरे उदाहरणों से बचना होगायूएन महासचिव से सवाल किया गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएँ, हिंसक टकराव की रोकथाम कर सकती हैं या नहीं.उन्होंने जवाब में कहा कि यह बहुपक्षवाद नहीं है, जोकि संकट में है. उन्होंने 'अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन करने वाली महाशक्तियों के बर्ताव का उल्लेख किया, जो कभी-कभी अपने आप हिंसक टकराव खड़ा करती हैं और दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार का इस्तेमाल करती हैं. 'यूएन प्रमुख ने कहा कि इस वजह से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए दुनिया भर में हिंसक टकरावों की संख्या में आई नाटकीय वृद्धि को रोक पाना कठिन हो जाता है. 'चूँकि जब बुरे उदाहरण, महाशक्तियों से मिलते हैं तो विश्व भर में मध्यम-आकार की शक्तियाँ सोचती हैं कि वे जो कुछ चाहती हैं उसे किया जा सकता है, बिना किसी दंड के. 'उन्होंने कहा कि अब ऐसे अनेक देश हैं, जिनका हिंसक टकराव से ग्रस्त देशों में स्थाई रूप से बाहरी हस्तक्षेप है, और इस स्थिति लड़ाई को रोकना और मध्यस्थता कर पाना अत्यधिक कठिन हो जाता है. और इसलिए, सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना अहम है.आवाजाही की स्वतंत्रतायूएन प्रमुख के अनुसार, बढ़ती मुद्रास्फीति व जीवन-व्यापन की ऊँची क़ीमतों का संकट, मध्य पूर्व क्षेत्र में व्याप्त तनाव व अशान्ति की वजह से और बिगड़ता जा रहा है. ईंधन, उर्वरक, कच्चे माल समेत अन्य सामान की क़ीमतों में भारी उछाल आया है और बड़ी संख्या में देशों के लिए चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com